

الجزء الخامس عشر (١٥)
المجلد الرابع ٢

رُكُوعَاتُهَا ۱۲

(۱۷) سُورَةُ بَنِي إِسْرَءِيلَ مَكِّيَّةٌ (۵۰)

اَيَاتُهَا ۱۱۱

ઔર ૧૨ રુકૂઅ હૈں سूरअه બની ઇસ્રાઈલ મક્કા મેં નાઝિલ હુઈ ઇસ મેં ૧૧૧ આયતે હૈں

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ﴿١﴾

પણતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા હૈ

سُبْحَانَ الَّذِي أَسْرَى بِعَبْدِهِ لَيْلًا مِّنَ الْمَسْجِدِ الْحَرَامِ

ਪਾਕ ਹੈ, ਉਹ ਜਾਣਦਾ ਹੈ ਕਿ ਜਿਸ ਨੇ ਆਪਣੇ ਭਰੋਸੇ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਰਾਤ ਦੇ ਵਕਤ ਮਸ਼ੀਨ ਦੇ ਉਪਰ ਸੇ

إِلَى الْمَسْجِدِ الْأَقْصَا الَّذِي بَرَكْنَا حَوْلَهُ لِنُرِيَهُ

મરિજદે અકસા તક સફર કરાયા, જિસ કે ઈદગિદ્દ હમ ને બરકતે રખી હૈં તાકે હમ ઉન્હે અપની

مِنْ آيَاتِنَا إِنَّهُ هُوَ السَّمِيعُ الْبَصِيرُ ﴿١٠﴾ وَآتَيْنَا مُوسَى الْكِتَابَ

બાળ નિશાનિયાં દિખાએ. યકીનન વો સુનને વાલા, દેખને વાલા છે. ઔર હમ ને મુસા (અલૈહિસ્સલામ) કો કિતાબ દી

وَجَعَلْنَاهُ هُدًى لِّبَنِي إِسْرَءِيلَ ۖ أَلَّا تَتَّخِذُوا

और हम ने उसे छिदायत का जरिया बनाया बनी ईस्राईल के लिये के तुम मुझे छोड़ कर किसी को

مِنْ دُونِي وَكِيلًا ﴿٢﴾ ذُرِّيَّةً مِنْ حَمَلْنَا مَعَ نُوحٍ ۖ إِنَّهُ كَانَ

કારસાઠ મત બનાઓ. હમ ને તમહે ઉન કી ઝરરીયત બનાયા હૈ જિન કો હમ ને સવાર કરાયા થા નૂહ (અબૈહિસ્લામ) કે સાથ.

عَبْدًا شَكُورًا ﴿٣٠﴾ وَ قَضَيْنَا إِلَىٰ بَنِي إِسْرَءِيلَ

યકીનન વો શુક્રગુઝાર બન્ટે થે. ઔર હમ ને બની ઈસ્રાઈલ કે લિયે ઈસ કિતાબ મેં ફેસલા

فِي الْكِتَابِ لَتُفْسِدُنَّ فِي الْأَرْضِ مَرَّتَيْنِ وَ تَعْلُنَّ

કર દિયા કે તુમ ઝમીન મેં ઝરૂર ફસાદ મચાઓગે દો મરતબા ઓર ઝરૂર તુમ

عُلُوًّا كَبِيرًا ﴿٢٠﴾ فَإِذَا جَاءَ وَعْدُ أُولَاهُمَا بَعَثْنَا عَلَيْكُمْ

બડી સરકશી કરોગે. ફિર જબ ઉન મેં સે પેહલી મરતબા કા વકત આએગા તો હમ તુમ પર

عِبَادًا لَّنَا أُولِي بَأْسٍ شَدِيدٍ فَجَاسُوا خِلَالَ الدِّيَارِ ط

અપને સખ્ત જંગ કરને વાલે બન્દોં કો ભેજેંગે, ફિર વો ઘરોં મે ઘુસ જાએંગે.

وَكَانَ وَعْدًا مَّفْعُولًا ﴿٥﴾ ثُمَّ رَدَدْنَا لَكُمُ الْكُرَّةَ عَلَيْهِمْ

और ये वादा बिट्कुल पूरा हो कर रहा. फिर हम तुम्हें उन पर गलबा देंगे

وَأَمَّا دُكُّكُمْ بِأَمْوَالٍ وَبَنِينَ وَجَعَلْنَاكُمْ أَكْثَرَ نَفِيرًا ﴿٦﴾

और हम तुम्हारी धम्दाह करेंगे भावों और भेटों के जरिये और हम तुम्हें जयादा लशकर देंगे.

إِنْ أَحْسَنْتُمْ أَحْسَنْتُمْ لِأَنْفُسِكُمْ وَإِنْ أَسَأْتُمْ فَلَهَا

अगर तुम अच्छे बनोगे तो अपने लिये अच्छे बनोगे. और अगर तुम बुरे बनोगे तो अपने लिये.

فَإِذَا جَاءَ وَعْدُ الْآخِرَةِ لِيُسْوَءَا وَجُوهَكُمْ وَلِيَدْخُلُوا

फिर जब दूसरी भरतबा का वक़्त आयेगा ताके वो तुम्हारी सूरतें भिगाड दें और वो मस्जिद में

الْمَسْجِدَ كَمَا دَخَلُوهُ أَوَّلَ مَرَّةٍ وَلِيُتَبِّرُوا مَا عَلُوا

दाबिल हो जायें जैसा के वो उस में पेड़ली भरतबा में दाबिल हुवे थे और ताके वो भरबाद कर दें उन तमाम चीज़ों को

تَتَبَيَّرُوا ۚ عَلَىٰ رَبِّكُمْ أَنْ يَرْحَمَكُمْ وَإِنْ عُذْتُمْ

जिन पर वो गालिब आ जायें हो सकता है के तुम्हारा रब तुम पर रहम करे. अगर तुम दोगारा वही करोगे

عُدْنَا ۖ وَجَعَلْنَا جَهَنَّمَ لِلْكَافِرِينَ حَصِيرًا ۚ إِنَّ هَذَا

तो हम भी दोगारा वही करेंगे. और हम ने जहन्नम काफ़िरो को घेरने वाली बनाई है. यकीनन ये

الْقُرْآنَ يَهْدِي لِلَّتِي هِيَ أَقْوَمُ وَيُبَشِّرُ الْمُؤْمِنِينَ

क़ुरआन हिदायत देता है उस रास्ते की जो ज़यादा सीधा है और बशारत देता है ईमान वाले उन

الَّذِينَ يَعْمَلُونَ الصَّالِحَاتِ أَنَّ لَهُمْ أَجْرًا كَبِيرًا ۚ

लोगों को जो नेक अमल करते हैं इस बात की के उन के लिये बड़ा अज़र है.

وَأَنَّ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ أَعْتَدْنَا لَهُمْ عَذَابًا

और ये के जो आभिरत पर ईमान नहीं लाते उन के लिये हम ने दहनाक अज़ाब तैयार कर

أَلِيمًا ۚ وَيَذْعُ الْإِنْسَانُ بِالشَّرِّ دُعَاءَهُ بِالْخَيْرِ

रहा है. और कुछ लोग भुद मसाईब की हुआ उन के भलाई मांगने की तरफ करते हैं.

وَكَانَ الْإِنْسَانُ عَجُولًا ۚ وَجَعَلْنَا اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ

और ईन्सान जल्दबाज़ वाकेअ हुवा है. और हम ने रात और दिन दो निशानियां

آيَتَيْنِ فَمَحَوْنَا آيَةَ اللَّيْلِ وَجَعَلْنَا آيَةَ النَّهَارِ مُبْصَرَةً

बनाई, फिर हम ने रात की निशानी को तारीक बनाया और दिन की निशानी को हम ने रोशन बनाया

لِتَبْتَغُوا فَضْلًا مِّنْ رَبِّكُمْ وَلِتَعْلَمُوا عَدَدَ السِّنِينَ

ताके तुम अपने रब के फ़जल (रोज़ी) को तलाश करो और ताके तुम सालों की गिन्ती और हिसाब को

وَالْحِسَابَ ۚ وَكُلَّ شَيْءٍ فَصَّلْنَاهُ تَفْصِيلًا ۚ وَكُلَّ

ज़ान लो. और हर चीज़ हम ने तफ़सील से बयान की है. और हर ईन्सान के

وَقُلْ

ع.

إِنْسَانٍ أَلْزَمْنَاهُ طَبْرِهٖ فِي عُنُقِهِ ۖ وَ نُخْرِجُ لَهُ يَوْمَ

साथ उस के नामअे आमाल को हम उस की गर्दन में थिपका देंगे. और उस के लिये कयामत के

الْقِيَمَةِ كِتَابًا يَلْقَاهُ مَنشُورًا ۝۱۳۱ اقْرَأْ كِتَابَكَ ۖ كَفَىٰ

दिन लिखा हुआ निकालेगे जिसे वो ખુલા हुआ पायेगा. (कडा जायेगा के) तेरा नामअे आमाल पढ ले.

بِنَفْسِكَ الْيَوْمَ عَلَيْكَ حَسِيبًا ۝۱۳۲ مَن اهْتَدَىٰ فَإِنَّمَا

तू आज ખુદ ही अपना डिखाब लेने के लिये काई है. जो डिहायत पायेगा तो वो सिई अपनी

يَهْتَدِي لِنَفْسِهِ ۖ وَمَن ضَلَّ فَإِنَّمَا يَضِلُّ عَلَيْهَا ۖ

जात के लिये डिहायत पायेगा. और जो गुमराह डोगा तो सिई उसी पर गुमराही का वबाल पडेगा.

وَلَا تَزِرُ وَازِرَةٌ وِزْرَ أُخْرَىٰ ۖ وَمَا كُنَّا مُعَذِّبِينَ

और कोई गुनाह उठाने वाला दूसरे का गुनाह नहीं उठायेगा. और हम अजाब नहीं देते जब

حَتَّىٰ نَبْعَثَ رَسُولًا ۝۱۳۳ وَإِذَا أَرَدْنَا أَن نُّهْلِكَ قَرْيَةً

तक के हम रसूल नहीं भेज देते. और जब हम एराहा करते हैं के किसी बस्ती को उलाक करें तो हम

أَمَرْنَا مُتْرَفِيهَا فَفَسَقُوا فِيهَا فَحَقَّ عَلَيْهَا الْقَوْلُ

वहां के ખुशहाल लोगो को डुकम देते हैं, फिर वो उस में फिरक करते हैं, फिर उन पर अजाब का कलिमा

فَدَمَّرْنَاهَا تَدْمِيرًا ۝۱۳۴ وَكَمْ أَهْلَكْنَا مِنَ الْقُرُونِ

साभित डो जाता है, फिर हम उसे तबाह कर देते हैं और कितनी बस्तियां हम ने नूड (अलेडिस्सलाम) के भाद

مِّنْ بَعْدِ نُوحٍ ۖ وَكَفَىٰ بِرَبِّكَ بِذُنُوبٍ عِبَادٍ خَيْرًا

तबाह व भरबाह की? और आप का रब अपने बन्दो के गुनाहो की ખबर रખने वाला, देખने वाला

بَصِيرًا ۝۱۳۵ مَن كَانَ يُرِيدُ الْعَاجِلَةَ عَجَلْنَا لَهُ

काई है. जो हुन्या याडेगा तो हम उसे हुन्या में जल्दी दे देंगे

فِيهَا مَا نَشَاءُ لِمَن نُّرِيدُ ثُمَّ جَعَلْنَا لَهُ جَهَنَّمَ ۖ

वो जो हम याडेगे, जिस के लिये याडेगे, फिर उस के लिये जहन्नम मुकरर कर देंगे,

يَصْلَاهَا مَذْمُومًا مَّدْحُورًا ۝۱۳۶ وَمَن أَرَادَ الْآخِرَةَ

जिस में वो दाખिल डोगा मअम्मत किया हुआ, धुत्कारा हुआ. और जो आखिरत याडेगा और

وَسَعَىٰ لَهَا سَعْيَهَا وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَأُولَٰئِكَ كَانَ سَعْيُهُم

उस के लिये कोशिश करेगा वो कोशिश जो उस के लाईक है बशर्तेके वो मोमिन डो, तो उन की कोशिश की

مَشْكُورًا ﴿١٦﴾ كَلَّا نُبَدُّ هَؤُلَاءِ وَهَؤُلَاءِ مِنْ عَطَاءِ رَبِّكَ ط

કદર કી જાએગી. તમામ કો હમ ઇમ્દાદ દે રહે હૈં, ઇન કો ભી ઓર ઉન કો ભી, તેરે રબ કી અતા મેં સે.

وَمَا كَانَ عَطَاءُ رَبِّكَ مَحْظُورًا ﴿٢٠﴾ انْظُرْ كَيْفَ فَضَّلْنَا

और तेरे २५ की अता बन्द नहीं है. आप देखिये के कैसे हम ने उन में से ओक को दूसरे पर

بَعْضُهُمْ عَلَى بَعْضٍ ۖ وَلِلْآخِرَةِ أَكْبَرُ دَرَجَاتٍ وَأَكْبَرُ

ફળીલત દી છે. ઓર યકીનન આખિરત ઠરજાત કે એતેબાર સે ઝયાદા બડી છે ઓર ફળીલત મેં ભી

تَفْضِيلًا ﴿٣١﴾ لَا يَجْعَلُ مَعَ اللَّهِ إِلَهًا آخَرَ فَتَقْعُدَ مَذْمُومًا

બઢી હુઈ છે. તમ અલ્લાહ કે સાથ કોઈ દૂસરા માબૂદ મત બનાઓ, વરના તમ બૈઠે રહોગે મઝમ્મત કિયે હવે,

مَحْذُورًا ۞ وَقَضَىٰ رَبُّكَ أَلَّا تَعْبُدُوا إِلَّا إِيَّاهُ وَبِالْوَالِدَيْنِ

બેકસી કી હાલત મેં. તેરે રબ ને હુકમ દિયા હૈ કે ઈબાદત મત કરો મગર ઉસી કી ઓર વાલિદૈન કે સાથ.

إِحْسَانًا ۖ إِنَّمَا يَبْلُغَنَّ عِنْدَكَ الْكِبَرَ أَحَدُهُمَا أَوْ كِلَاهُمَا

હસ્તને સલુક કા હકમ દિયા છે. અગર તેરે સામને ઉન મેં સે કોઈ એક યા દોનો બ્રહ્માપે કો પહોંચ જાએ.

فَلَا تَقُلْ لَهُمَا أُفٍّ وَلَا تَنْهَرْهُمَا وَقُلْ لَهُمَا قَوْلًا

તો ઉન સે ઉફ ભી મત કહો ઓર ઉન કો મત જિણ્હકો, બલ્કે ઉન સે તાઝીમ વાલે લેહજે મેં

كَرِيمًا ﴿٢٣﴾ وَاخْفِضْ لَهُمَا جَنَاحَ الذُّلِّ مِنَ الرَّحْمَةِ

ખાત કરો. ઓર ઉન કે સામને નરમી સે આજિઝી કે સાથ કન્ધે જુકાએ રખો.

وَقُلْ رَبِّ احْبِبْهَا كَمَا رَبَّيْنِي صَغِيرًا ط رَبِّكُمْ أَعْلَمُ

और यं कुछो ओ मेरे रब! त उन होनों पर रबम करमा जैसा के उन्होंने मेरी बचपन में परवरिश की.

بِمَا فِي نَفْسِكُمْ ۖ إِنَّ تَكُونُوا صَالِحِينَ فَإِنَّهُ كَانَ

તમ્હારા રબ ખબ જાનતા હૈ ઉસે જો તમ્હારે દિલોં મેં હૈ. અગર તમ નેક રહોગે તો યકીનન વો

لِلْأَوَّابِينَ غَفُورًا ﴿٢٥﴾ وَإِذَا الْقُرُنَىٰ حَفَّتْهُ وَالْهَاسِكِينَ

तौबा करने वालों की बख्शिश करने वाला है. और रिश्तेदार को उस का डक ढो और भिस्कीन.

وَابْنَ السَّبِيلِ وَلَا تُبَذِّرْ تَبْذِيرًا ﴿٢٦﴾ إِنَّ الْمُبَذِّرِينَ

और भसाइर को और इज्जतर्षी मत करो. ईस लिये के इज्जतर्षी

كَانُوا إِخْوَانَ الشَّيْطَانِ ۖ وَكَانَ الشَّيْطَانُ لِرَبِّهِ كَفُورًا ﴿٧٤﴾

शयतान के भाई हैं. और शयतान अपने रब का नाशकरा है. और अगर

وَأَمَّا تَعْرِضَنَ عَنْهُمْ ابْتِغَاءَ رَحْمَةٍ مِّن رَّبِّكَ تَرْجُوهَا

تू उन से औराज करे अपने रब की रहमत तलब करने के लिये जिस की तू उम्मीद रખता है

فَقُلْ لَهُمْ قَوْلًا مَّيْسُورًا ۝ وَلَا تَجْعَلْ يَدَكَ مَغْلُولَةً

तब भी उन से नर्म बात केह. और तू अपना हाथ गर्दन से बंधा हुवा

إِلَىٰ عُنُقِكَ وَلَا تَبْسُطْهَا كُلَّ الْبَسِطِ فَتَقْعُدَ مَلُومًا

मत रब और न उसे पूरे तौर पर ખोल दे, वरना तू मलामत किया हुवा, डार कर बैठा रहेगा.

مَّحْسُورًا ۝ إِنَّ رَبَّكَ يَبْسُطُ الرِّزْقَ لِمَن يَشَاءُ وَيَقْدِرُ

यकीनन तेरा रब रोखी क्षुधा करता है जिस के लिये याहता है और तंग करता है (जिस के लिये याहता है).

إِنَّهُ كَانَ بِعِبَادِهِ خَبِيرًا ۖ بَصِيرًا ۝ وَلَا تَقْتُلُوا أَوْلَادَكُمْ

यकीनन वो अपने बन्धों की ખबर रખने वाला, हेबने वाला है. और अपनी औलाद को इकर के ખौड़ से

خَشِيَّةَ إِمْلَاقٍ ۖ نَحْنُ نَرْزُقُهُمْ وَإِيَّاكُمْ ۖ إِنَّ قَتْلَهُمْ

कत्ल मत करो. हम उन्हें भी रोखी देंगे और तुम्हें भी. यकीनन उन का कत्ल

كَانَ خَطًا كَبِيرًا ۝ وَلَا تَقْرَبُوا الزَّوْجَ إِنَّهُ كَانَ فَاحِشَةً

ખडोत ખडा गुनाह है. और जिना के करीब मत जाओ, यकीनन वो बेइयाई है.

وَسَاءَ سَبِيلًا ۝ وَلَا تَقْتُلُوا النَّفْسَ الَّتِي حَرَّمَ اللَّهُ

और बुरा रास्ता है. और उस जान को कत्ल मत करो जिस को अह्लाह ने हाराम करार दिया

إِلَّا بِالْحَقِّ ۖ وَمَن قُتِلَ مَظْلُومًا فَقَدْ جَعَلْنَا لَوْلِيهِ

मगर हक की वजह से. और जिसे मजलूम कत्ल किया जाये तो हम ने उस के वारिस को इज्तिवार

سُلْطَانًا فَلَا يُسْرِفُ فِي الْقَتْلِ ۖ إِنَّهُ كَانَ مَنصُورًا ۝

दिया है, इस लिये वो कत्ल में लयाहती न करे. इस लिये के उस की नुस्रत की गई है.

وَلَا تَقْرَبُوا مَالَ الْيَتِيمِ إِلَّا بِالَّتِي هِيَ أَحْسَنُ

और यतीम के माल के करीब मत जाओ मगर उस तरीके से जो बेहतर हो,

حَتَّىٰ يَبْلُغَ أَشُدَّهُ ۖ وَأَوْفُوا بِالْعَهْدِ ۖ إِنَّ الْعَهْدَ كَانَ

यहां तक के वो अपनी जवानी को पछोंय जाये. और अहद पूरा करो. इस लिये के अहद का भी

مَسْئُولًا ۖ وَأَوْفُوا الْكَيْلَ إِذَا كِلْتُمَ وَزِنُوكُم بِالْقِسَاسِ

सवाल किया जायेगा. और पैमाना भर भर कर दो जब नापो और सीधी तराजू से

الْمُسْتَقِيمُ ۚ ذٰلِكَ خَيْرٌ وَّ اَحْسَنُ تَاْوِيْلًا ۝ ۱۷ وَلَا تَقْفُ

વળન કરો. યે બેહતર હૈ ઔર અન્જામ કે ઐતેબાર સે અચ્છા હૈ. ઔર ઉસ કે પીછે

مَا لَيْسَ لَكَ بِهِ عِلْمٌ ۚ اِنَّ السَّمْعَ وَالْبَصَرَ وَالْفُؤَادَ

મત પડ જિસ કા તુજે ઇલ્મ નહી. ઇસ લિયે કે કાન ઔર આંખે ઔર દિલ

كُلُّ اُولٰٓئِكَ كَانَ عَنْهُ مَسْئُوْلًا ۝ ۱۸ وَلَا تَمْسَسْ

ઇન તમામ કે મુતઅલ્લિક સવાલ કિયા જાએગા. ઔર તૂ ઝમીન મેં અકડતા

فِى الْاَرْضِ مَرْحًا ۚ اِنَّكَ لَنْ تَخْرِقَ الْاَرْضَ وَلَنْ تَبْلُغَ

હુવા મત ચલ. ઇસ લિયે કે તૂ ઝમીન કો હરગિઝ ફાડ નહી સકતા ઔર લમ્બા હો કર પહાડો

الْجِبَالِ طُوْلًا ۝ ۱۹ كُلُّ ذٰلِكَ كَانَ سَيِّئُهُ عِنْدَ رَبِّكَ

(કી બરાબરી) કો હરગિઝ નહી પહોંચ સકતા. યે સબ બુરે ખસાઇલ તેરે રબ કે નઝદીક

مَكْرُوْمًا ۝ ۲۰ ذٰلِكَ مِمَّا اَوْحٰى اِلَيْكَ رَبُّكَ مِنَ الْحِكْمَةِ ۚ

નાપસન્દ હૈ. યે હિકમત કી ઉન બાતોં મેં સે હૈ જિન કી આપ કે રબ ને આપ કી તરફ વહી કી હૈ.

وَلَا تَجْعَلْ مَعَ اللّٰهِ الْهٰٓءَا خَرَ فَتُلْقٰى فِىْ جَهَنَّمَ مَلُوْمًا

ઔર તૂ અલ્લાહ કે સાથ દૂસરે માબૂદ મત કરાર દે, વરના જહન્નમ મેં મલામત કિયા હુવા ધુત્કારા

مَذْحُوْرًا ۝ ۲۱ اَفَاَصْفُكُمْ رَبُّكُمْ بِالْبَيِّنٰتِ وَاَتَّخَذَ

હુવા ડાલ દિયા જાએગા. કયા તુમહારે રબ ને તુમહે બેટે ચુન કર દિયે ઔર ખુદ ઉસ ને

مِنَ الْمَلٰٓئِكَةِ اِنۡشَاءً اِنَّكُمْ لَتَقُوْلُوْنَ قَوْلًا عَظِيْمًا ۝ ۲۲ وَلَقَدْ

ફરિશ્તોં મેં સે બેટિયાં લીં? યકીનન તુમ બડી ભારી બાત કેહતે હો. યકીનન હમ ને ઇસ

صَرَفْنَا فِىْ هٰذَا الْقُرْاٰنِ لِيَذَّكَّرُوْا وَمَا يَزِيْدُهُمْ

કુર્આન મેં ફેર ફેર કર બયાન કિયા તાકે વો નસીહત હાસિલ કરે. ઔર યે કુર્આન ઉન કો નહી બળહાતા

اِلَّا نُفُوْرًا ۝ ۲۳ قُلْ لَّوْ كَانَ مَعَهُ الْهٖةُ كَمَا يَقُوْلُوْنَ

મગર નફરત મેં. આપ પૂછિયે કે અગર અલ્લાહ કે સાથ ઔર માબૂદ ભી હોતે જૈસા કે વો કેહતે હૈ

اِذَا لَبَّتُوْا اِلٰى ذٰى الْعَرْشِ سَبِيْلًا ۝ ۲۴ سُبْحٰنَهُ وَ تَعَالٰى

તબ તો વો સબ કે સબ અર્શ વાલે માબૂદ કી તરફ રાસ્તા તલાશ કરતે. અલ્લાહ પાક હૈ ઔર બરતર હૈ

عَمَّا يَقُوْلُوْنَ عُلُوًّا كَبِيْرًا ۝ ۲۵ تَسْبِيْحٌ لِّهٖ السَّمُوٰتُ

ઉન બાતોં સે જો વો કેહતે હૈ, બહોત ઝયાદા બરતર હૈ. ઉસ કે લિયે તો સાતોં આસ્માન ઔર ઝમીન

السَّبْعُ وَالْأَرْضُ وَمَنْ فِيهِنَّ وَإِنْ مِنْ شَيْءٍ إِلَّا يُسَبِّحُ

और वो तमाम चीजें जो उन में हैं वो तस्बीह करती हैं और कोई चीज नहीं है मगर वो अल्लाह की उम्द के

بِحَمْدِهِ وَلَكِنْ لَا تَفْقَهُونَ تَسْبِيحَهُمْ إِنَّهُ كَانَ

साथ तस्बीह करती है, लेकिन तुम उस की तस्बीह समझते नहीं हो। यकीनन अल्लाह

حَلِيمًا غَفُورًا ۝ وَإِذَا قَرَأْتَ الْقُرْآنَ جَعَلْنَا بَيْنَكَ

हिलम वाला, बख्शने वाला है। और जब आप कुर्आन पण्डते हो तो हम आप के दरमियान

وَبَيْنَ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ حِجَابًا مَسْتُورًا ۝

और उन लोगों के दरमियान जो आभिरत पर ईमान नहीं रखते ऐक पोशीदा परदा रख देते हैं।

وَجَعَلْنَا عَلَى قُلُوبِهِمْ أَكِنَّةً أَنْ يَفْقَهُوهُ وَفِي آذَانِهِمْ

और हम ने उन के दिलों पर पर्दे रख दिये हैं इस से के वो कुर्आन को समझे और उन के कानों में ऽट

وَقُرْآنًا وَإِذَا ذَكَرْتَ رَبَّكَ فِي الْقُرْآنِ وَحْدَهُ وَلَّوْا عَلَى

रख दी है और जब आप अपने रख क तन्हा कुर्आन में ऽिक करते हो तो वो अपनी पीठ ફेर कर नफ़रत

أَدْبَارِهِمْ نُفُورًا ۝ نَحْنُ أَعْلَمُ بِمَا يَسْتَمِعُونَ بِهِ

करते हुवे ढागते हैं। हम ખूब जानते हैं उस गळ को जिस के लिये वो कान लगा कर सुनते हैं

إِذْ يَسْتَمِعُونَ إِلَيْكَ وَإِذْ هُمْ نَجْوَى إِذْ يَقُولُ الظَّالِمُونَ

जब के वो आप की तरफ कान लगाते हैं और जब के वो सरगोशी करते हैं, जब के अलिम लोग केडते हैं के

إِنْ تَتَّبِعُونَ إِلَّا رَجُلًا مَسْحُورًا ۝ أَنْظِرْ كَيْفَ ضَرَبُوا

तुम तो पीछे नहीं चलते मगर ऐसे शम्स के जिस पर जादू कर दिया गया है। आप देखिये के वो आप के

لَكَ الْأَمْثَالُ فَضَلُّوا فَلَا يَسْتَطِيعُونَ سَبِيلًا ۝

लिये केसी मिसालें बयान करते हैं, फिर वो रास्ते से भटक गये हैं, फिर रास्ते की ताकत नहीं रखते।

وَقَالُوا إِذَا كُنَّا عِظَامًا وَرُفَاتًا إِنْآ لَمَبْعُوثُونَ

और वो केडते हैं के क्या जब हम हड्डियां हो जायेंगे और रेखा रेखा हो जायेंगे तब हम अज सरे नौ

خَلْقًا جَدِيدًا ۝ قُلْ كُونُوا حِجَارَةً أَوْ حَدِيدًا ۝

जिन्दा किये जायेंगे? आप फरमा दीजिये के तुम पथ्थर बन जाओ या लोहा बन जाओ। या कोई मख्लूक

أَوْ خَلْقًا مِمَّا يَكْبُرُ فِي صُدُورِكُمْ فَسَيَقُولُونَ مَنْ يُعِيدُنَا

बन जाओ उस में से जिस को तुम अपने दिलों में बडा समझते हो। फिर भी अनकरीब ये लोग कहेंगे के हमें

قُلِ الَّذِي فَطَرَكُمْ اَوَّلَ مَرَّةٍ ۚ فَسَيُنْغِضُونَ اِلَيْكَ

દોબારા કૌન પૈદા કરેગા? આપ ફરમા દીજિયે કે વહી અલ્લાહ જિસને તમહે પેહલી મરતબા પૈદા કિયા. તો વો અનકરીબ

رُءُوسَهُمْ وَ يَقُولُونَ مَتَى هُوَ قُلْ عَسَىٰ اَنْ يَكُوْنَ

આપ કે સામને અપને સર હિલા અંગે ઓર કહેંગે કે વો કબ હે? આપ ફરમા દીજિયે કે હો સકતા હે કે વો

قَرِيْبًا ۝ يَوْمَ يَدْعُوْكُمْ فَتَسْتَجِيْبُوْنَ بِحَمْدِهَا وَ تَقُتُّوْنَ

કરીબ હી હો. જિસ દિન વો તમહે પુકારેગા તો તુમ અલ્લાહ કી હમ્દ કે સાથ પુકાર કો કબૂલ કર લોગે ઓર તુમ ગુમાન

اِنْ لَبِثْتُمْ اِلَّا قَلِيْلًا ۝ وَقُلْ لِعِبَادِي يَقُولُوا اَلَّتِي

કરોગે કે તુમ (કબ્ર મેં) નહી ઠેહરે મગર બહોત થોડા. ઓર મેરે બન્દો સે કેહ દીજિયે કે વો કહે વો બાત જો

هِيَ اَحْسَنُ ۚ اِنَّ الشَّيْطَانَ يَنْزِعُ بَيْنَهُمْ ۚ اِنَّ الشَّيْطَانَ

અચ્છી હો. યકીનન શયતાન ઉન કે દરમિયાન જઘડા ડાલતા હે. યકીનન શયતાન

كَانَ لِلْاِنْسَانِ عَدُوًّا مُّبِيْنًا ۝ رَبُّكُمْ اَعْلَمُ بِكُمْ ۚ

ઈ-સાન કા ખુલા દુશમન હે. તુમહારા રબ તુમહે ખૂબ જાનતા હે. અગર

اِنْ يَشَأْ يَرْحَمْكُمْ اَوْ اِنْ يَشَأْ يُعَذِّبْكُمْ ۚ وَمَا اَرْسَلْنَاكَ

વો ચાહે તો તુમ પર રહમ કરે યા અગર ચાહે તો તુમહે અઝાબ દે. ઓર હમ ને આપ કો ઉન પર નિગરાં

عَلَيْهِمْ وَكِيلًا ۝ وَ رَبُّكَ اَعْلَمُ بِمَنْ فِي السَّمٰوٰتِ

બના કર નહી ભેજા. ઓર આપ કા રબ ખૂબ જાનતા હે ઉન કો જો આસ્માનો મેં હે

وَالْاَرْضِ ۚ وَلَقَدْ فَضَّلْنَا بَعْضَ النَّبِيِّنَ عَلَىٰ بَعْضٍ

ઓર જો ઝમીન મેં હે. યકીનન હમ ને અમ્બિયા મેં સે બાઝ કો બાઝ પર ફઝીલત દી ઓર

وَآتَيْنَا دَاوُدَ زَبُوْرًا ۝ قُلِ ادْعُوا الَّذِيْنَ زَعَمْتُمْ

હમ ને દાવૂદ (અલૈહિસ્સલામ) કો ઝબૂર દી. આપ ફરમા દીજિયે કે પુકારો ઉન કો જિન કો તુમ અલ્લાહ કે સિવા (માબૂદ)

مِّنْ دُوْنِهٖ فَلَا يَمْلِكُوْنَ كَشْفَ الضُّرِّ عَنْكُمْ وَلَا تَحْوِيْلًا ۝

સમજતે હો, ફિર વો તુમ સે ઝરર દૂર કરને કે માલિક નહી હે ઓર ન ઝરર તબદીલ કરને કે માલિક હે.

اُولٰٓئِكَ الَّذِيْنَ يَدْعُوْنَ يَبْتَغُوْنَ اِلٰى رَبِّهِمْ

જિન કો પુકારતે હેં યે કુફર વો ખુદ અપને રબ કી તરફ વસીલા તલાશ કરતે

اَلْوَسِيْلَةَ اِلَيْهِمْ اَقْرَبُ وَ يَرْجُوْنَ رَحْمَتَهُ وَ يَخَافُوْنَ

હેં કે ઉન મેં કૌન ઝયાદા મુકર્રબ હે ઓર વો ઉસ કી રહમત કે ઉમ્મીદવાર હે ઓર ઉસ કે અઝાબ સે

ઔલાદ કો ગમરાહ કર દું સિવાએ ચન્દ લોગોં કે. અલ્લાહ ને ફરમાયા કે તૂ જા! ફિર જો ઉન મેં સે તેરે

فَإِنَّ جَهَنَّمَ جَزَاؤُكُمْ جَزَاءً مَّوْفُورًا ۝۴۳ وَاسْتَغْفِرْ مَنْ

પીછે ચલેગા તો જહનમ તુમ્હારી પૂરી પૂરી સજા છે. ઓર તૂ ડરા ઉન મેં સે

اسْتَطَعْتَ مِنْهُمْ بِصَوْتِكَ وَأَجْلِبْ عَلَيْهِمْ بِخَيْلِكَ

જિસ પર તૂ તાકત રખ સકે તેરી આવાઝ કે ઝરિયે ઓર તૂ ઉન પર ખીચ કર લા તેરી સવાર ફૌજ કો ઓર

وَجِلِكَ وَشَارِكْهُمْ فِي الْأَمْوَالِ وَالْأَوْلَادِ وَعِدْهُمْ

તેરી પયાદા ફૌજ કો ઓર તૂ ઉન કે સાથ શરીક હો જા માલોં મેં ઓર ઓલાદ મેં ઓર તૂ ઉન કો વાદા દિલા.

وَمَا يَعِدُهُمُ الشَّيْطَانُ إِلَّا غُرُورًا ۝۴۴ إِنَّ عِبَادِي لَيْسَ لَكَ

ઓર શયતાન ઉન કો વાદા નહીં દિલાતા મગર ધોકે કા. અલ્બતા મેરે બન્દોં પર તેરા કોઈ

عَلَيْهِمْ سُلْطَانٌ وَكَفَىٰ بِرَبِّكَ وَكِيلًا ۝۴۵ رَبُّكُمْ الَّذِي يُزْجِي

બસ નહીં ચલેગા. ઓર તેરા રબ કાફી કારસાઝ છે. તુમ્હારા રબ વો હૈ જો તુમ્હારે લિયે કશતી કો

لَكُمْ الْفُلْكَ فِي الْبَحْرِ لِيَتَّبِعُوا مِنْ فَضْلِهِ ۖ إِنَّهُ كَانَ

તેઝ ચલાતા હૈ સમન્દર મેં તાકે તુમ ઉસ કે ફઝલ કો તલાશ કરો. યકીનન વો તુમ્હારે

بِكُمْ رَحِيمًا ۝۴۶ وَإِذَا مَسَّكُمُ الضُّرُّ فِي الْبَحْرِ ضَلَّ مَنْ

સાથ મેહરબાન હૈ. ઓર જબ તુમ્હે ઝરર પહોંચતા હૈ સમન્દર મેં તો ખો જાતે હૈં વો જિન કો તુમ પુકારતે

تَدْعُونَ إِلَّا إِلَهًا فَلَمَّا نَجَّيْكُمْ إِلَى الْبَرِّ أَعْرَضْتُمْ

હો સિવાએ અલ્લાહ કે. ફિર જબ વો તુમ્હે બચા કર લે આતા હૈ ખુશકી તક તો તુમ ઐરાઝ કરતે હો.

وَكَانَ الْإِنْسَانُ كَفُورًا ۝۴۷ أَفَأَمِنْتُمْ أَنْ يُخْصِفَ بِكُمْ جَانِبَ

ઓર ઇન્સાન બહોત નાશુકરા હૈ. કયા તુમ મામૂન હો ગએ ઇસ સે કે વો તુમ્હારે સાથ ખુશકી કે કિનારે કો ઝમીન

الْبَرِّ أَوْ يُرْسِلَ عَلَيْكُمْ حَاصِبًا ثُمَّ لَا تَجِدُوا لَكُمْ

મેં ધંસા દે યા તુમ્હારે ઉપર તેઝ હવા કો છોડ દે? ફિર તુમ અપને લિયે કોઈ કારસાઝ ભી

وَكِيلًا ۝۴۸ أَمْ أَمِنْتُمْ أَنْ يُعِيدَكُمْ فِيهِ تَارَةً أُخْرَىٰ

ન પાઓ. યા તુમ મામૂન હો ગએ ઇસ સે કે વો તુમ્હે દૂસરી મરતબા ઉસ મેં લૌટા દે,

فَيُرْسِلَ عَلَيْكُمْ قَاصِفًا مِّنَ الرِّيحِ فَيُغْرِقَكُم بِمَا كَفَرْتُمْ ۖ

ફિર તુમ પર તૂફાની હવા છોડ દે, ફિર વો તુમ્હે ગર્ક કર દે તુમ્હારી નાશુકરી કી વજહ સે.

ثُمَّ لَا تَجِدُوا لَكُمْ عَلَيْنَا بِهِ تَبِيعًا ۝۴۹ وَلَقَدْ كَرَّمْنَا

ફિર તુમ અપને લિયે ઉસ પર કોઈ હમારા પીછા કરને વાલા ભી ન પાઓ? યકીનન હમ ને

بَنَىٰ اَدَمَ وَ سَمَلْنَهُمْ فِي الْبَرِّ وَالْبَحْرِ وَ رَزَقْنَهُمْ

ઇન્સાન કો ઇઝત દી ઔર હમ ને ઉન્હે સવારી દી ખુશકી ઔર સમન્દર મેં ઔર હમ ને ઉન્હે રોઝી દી

مِّنَ الطَّيِّبَاتِ وَ فَضَّلْنَهُمْ عَلَىٰ كَثِيرٍ مِّمَّنْ خَلَقْنَا

ઉમ્દા થીજોં કી ઔર હમ ને ઉન્હે અપની મખ્લૂક મેં સે બહોત સી મખ્લૂક પર

تَفْضِيلًا ۝ يَوْمَ نَدْعُوا كُلَّ اُنَاسٍ بِاِمَامِهِمْ فَمَنْ

ફઝીલત દી. જિસ દિન હમ તમામ ઇન્સાનોં કો ઉન કે પેશવા કે સાથ બુલાએંગે. ફિર જિસ કા

اَوْقَىٰ كِتَابَهُ بِيَمِينِهِ فَاُولَٰئِكَ يَفْرَهُوْنَ كِتَابَهُمْ

નામએ આમાલ ઉસ કે દાએ હાથ મેં દિયા જાએગા તો વો અપને આમાલનામે પઢેંગે ઔર ઉન

وَلَا يُظْلَمُوْنَ فَتِيلًا ۝ وَمَنْ كَانَ فِي هَذِهِ اَعْمٰی فَهُوَ

પર ખજૂર કી ગુહલી કે તાગે કે બરાબર ભી ઝુલ્મ નહી ક્રિયા જાએગા. ઔર જો ઇસ દુન્યા મે અન્ધા હોગા તો વો

فِي الْاٰخِرَةِ اَعْمٰی وَاَضَلُّ سَبِيلًا ۝ وَاِنْ كَادُوْا لَيَفْتِنُوْكَ

આખિરત મે ભી અન્ધા હોગા ઔર ઝયાદા રાસ્તા ભટકા હુવા હોગા. ઔર યકીનન વો કરીબ થે કે આપ કો ફિત્ને મે મુબતલા કર

عَنِ الَّذِيْٓ اَوْحَيْنَا اِلَيْكَ لِتَفْتَِّرٰی عَلَيْنَا غَيْرَةً ۝

હે ઉસ કુર્આન કી તરફ સે જિસે હમ ને આપ કી તરફ વહી કી તાકે ઉસ કે અલાવા કો આપ હમ પર ઘડ લેં.

وَإِذَا لَاتَخَذُوْكَ خَلِيْلًا ۝ وَلَوْ لَا اَنْ تَبْتَئَكَ لَقَدْ كَدَّتْ

ઔર તબ તો વો આપ કો દોસ્ત બના લેતે. ઔર અગર યે બાત ન હોતી કે હમ ને આપ કો સાબિતકદમ રખા હે તો યકીનન આપ

تَرَكْنَ اِلَيْهِمْ شَيْئًا قَلِيْلًا ۝ اِذَا لَاتَذُقْنٰكَ ضَعْفَ

ઉન કી તરફ થોડા સા માઈલ હો જાતે. તબ તો હમ આપ કો દુન્યવી ઝિન્દગી મેં દુગના અઝાબ

الْحَيٰوةِ وَضَعْفَ الْمَمٰتِ ثُمَّ لَا تَجِدُ لَكَ عَلَيْنَا نَصِيْرًا ۝

ચખાતે ઔર મરને કે બાદ કા દુગના અઝાબ ચખાતે, ફિર આપ અપને લિયે હમારે ખિલાફ કોઈ મદદગાર ભી

وَإِنْ كَادُوْا لَيَسْتَفْرِزُوْكَ مِنَ الْاَرْضِ لَيُخْرِجُوْكَ

ન પાતે. ઔર યકીનન યે કરીબ થે કે આપ કો ડરા ઘબરા કર નિકાલ દેં ઇસ સરઝમીન

مِنْهَا وَإِذَا لَّا يَلْبَثُوْنَ خَلْفَكَ اِلَّا قَلِيْلًا ۝ سَنَّةَ

સે. ઔર તબ તો વો આપ કે પીછે ન ઠેહેર પાતે મગર થોડા. યહી દસ્તૂર

مَنْ قَدْ اَرْسَلْنَا قَبْلَكَ مِنْ رُّسُلِنَا وَلَا تَجِدُ لِسُنَّتِنَا

ઉન કા ભી રહા જિન કો હમ ને આપ સે પેહલે રસૂલ બના કર ભેજા. ઔર આપ હમારે દસ્તૂર મેં તબદીલી

تَحْوِيلًا ۷۷ اَقِمِ الصَّلَاةَ لِذُلُوْكَ الشَّمْسِ اِلَى غَسَقِ اللَّيْلِ

نہی پاؤں گے. آپ نماز کا رُک کر سूरज ढलने के वक़्त से ले کر रात की تاریکی तक

وَقُرْآنَ الْفَجْرِ ۖ إِنَّ قُرْآنَ الْفَجْرِ كَانَ مَشْهُودًا ۷۸

और इजर में क़ुरआन पढ़ने को का रُक कीजिये. यकीनन इजर की क़िराअत में इरिशतों की ढाजरी ढोती है.

وَمِنَ اللَّيْلِ فَتَهَجَّدْ بِهِ نَافِلَةً لَّكَ ۖ عَلَىٰ أَنْ يَبْعَثَكَ

और रात के किसी वक़्त में तडजुद पढ़िये, ये आप के लिये आरुध है. ढो सकता है के आप को

رَبُّكَ مَقَامًا مَّحْمُودًا ۷۹ وَقُلْ رَبِّ اَدْخِلْنِيْ مَدْخَلَ

आप का रब मकामे महमूद में पढोयाओ. और आप यूँ कहिये के ओ मेरे रब! तू मुजे ढाभिल कर सख्या

صَدَقٍ وَّاَخْرِجْنِيْ مُخْرَجٍ صَدَقٍ وَّاَجْعَلْ لِّيْ

ढाभिल करना और मुजे निकाल सख्या निकालना और तू मेरे लिये अपनी तरफ़ से

مِّنْ لَّدُنْكَ سُلْطٰنًا تَّصِيْرًا ۸۰ وَقُلْ جَاءَ الْحَقُّ وَزَهَقَ

महदगार कुव्वत अता इरमा. और आप कहिये के ढक आ गया और ढातिल

الْبٰطِلُ ۖ إِنَّ الْبٰطِلَ كَانَ زَهُوقًا ۸۱ وَنُزِّلُ

मिट गया. यकीनन ढातिल मिटने ढी वाला था. और ढम क़ुरआन में से

مِّنَ الْقُرْآنِ مَا هُوَ شِفَاءٌ وَرَحْمَةٌ لِّلْمُؤْمِنِيْنَ ۚ وَلَا يَزِيْدُ

वो ढतारते हैं ज़ो ढमान वालों के लिये शिफ़ा है और रढमत है. और ये आलिमों को

الظّٰلِمِيْنَ اِلَّا خَسَارًا ۸۲ وَاِذَا اَنْعَمْنَا عَلَى الْاِنْسٰنِ

नही ढण्डाता मगर ढसारे में. और जब ढम ढन्सान पर ढन्आम करते हैं तो वो ओराज

اَعْرَضَ وَّنَا بِجَانِبِهٖ ۚ وَاِذَا مَسَّهُ الشَّرُّ كَانَ يَئُوسًا ۸۳

करता है और अपना पेडलू दूर ढटाता है. और जब ढसे तकलीफ़ पढोयती है तो मायूस ढो जाता है.

قُلْ كُلٌّ يَعْمَلُ عَلَىٰ شَاكِلَتِهٖ ۖ فَرُبُّكُمْ اَعْلَمُ بِبَيْنِ

आप इरमा ढीजिये के सढ के सढ अमल अपने तरीके पर कर रहे हैं क़िर आप का रब ढूढ जानता है ढसे ज़ो

هُوَ اِهْدٰى سَبِيْلًا ۸۴ وَ يَسْأَلُوْنَكَ عَنِ الرُّوْحِ ۚ قُلْ

जयाढा सीधे रास्ते वाला है. और ये आप से इड के मुतअद्लिक पूछते हैं. आप इरमा ढीजिये के

الرُّوْحُ مِنْ اَمْرِ رَبِّيْ وَمَا اُوْتِيْتُمْ مِّنَ الْعِلْمِ اِلَّا قَلِيْلًا ۸۵

इड मेरे रब के ढुकम से है. और तुम्हें ढल्म नही ढिया गया मगर थोडा सा.

وَلَيْنَ شِئْنَا لَنُدْهَبَنَّ بِالَّذِي أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ ثُمَّ

और अगर हम याहें तो सब कर दें जो हम ने आप की तरफ वही की है, फिर आप

لَا تَجِدُ لَكَ بِهِ عَلَيْنَا وَكِيلًا ﴿٨٧﴾ إِلَّا رَحْمَةً

अपने लिये उस के (वापस लाने के) लिये हमारे बिलाफ़ कोई करसाज भी न पाओ. मगर आप के रब की रहमत

مِّن رَّبِّكَ ۚ إِنَّ فَضْلَهُ كَانَ عَلَيْكَ كَبِيرًا ﴿٨٨﴾ قُلْ

की वजह से (सब नही किया). यकीनन उस का इजल आप पर बछोत गया है. आप इरमा दीजिये के

لِّئِنِ اجْتَمَعَتِ الْإِنْسُ وَالْجِنُّ عَلَىٰ أَن يَأْتُوا بِثَلِّ هَذَا

अगर तमाम ई-सान और जिन्नात जमा हो जायें इस पर के इस जैसा कुर्आन

الْقُرْآنِ لَا يَأْتُونَ بِثَلِّهِ وَلَوْ كَانَ بَعْضُهُمْ لِبَعْضٍ

ले आयें, तब भी इस जैसा कुर्आन नही ला सकते अगरये उन में से अक दूसरे के मददगार

ظَهِيرًا ﴿٨٩﴾ وَلَقَدْ صَرَّفْنَا لِلنَّاسِ فِي هَذَا الْقُرْآنِ

बन जायें. यकीनन हम ने ई-सानों के लिये इस कुर्आन में हर मिसाल को

مِّن كُلِّ مَثَلٍ ۚ فَأَبَىٰ أَكْثَرُ النَّاسِ إِلَّا كُفُورًا ﴿٩٠﴾

इर इर कर बयान किया. फिर भी ई-सानों की अकसरीयत ने ई-कार किया, मगर कुड़ में (बण्डते गये).

وَقَالُوا لَن تُوْمِنَ لَكَ حَتَّىٰ تَفْجُرَ لَنَا مِنَ الْأَرْضِ

और कहा के हम हरगिज आप पर ईमान नही लायेंगे यहां तक के आप हमारे लिये इस जमीन

يَنْبُوعًا ﴿٩١﴾ أَوْ تَكُونَ لَكَ بَحَّةٌ مِّن تَخِيلٍ وَعَنْبٍ

में यशमा जारी कर दें. या आप के लिये बजूर और अंगूर का बाग हो,

فَتَفْجَرَ الْأَنْهَارَ خِلَافَهَا تَفْجِيرًا ﴿٩٢﴾ أَوْ تُسْقَطَ السَّمَاءُ

फिर उस के दरमियान में आप नेहरें जारी कर दें. या आप आस्मान हम पर टुकड़े टुकड़े कर के गिरा दें

كَمَا زَعَمْتَ عَلَيْنَا كِسْفًا أَوْ تَأْتِي بَالِلًا وَالْمَلَكُوتِ

जैसा के आप दावा करते हैं या अद्लाह और इरिशतों को आमने सामने

قَبِيلًا ﴿٩٣﴾ أَوْ يَكُونَ لَكَ بَيْتٌ مِّن زُخْرٍ أَوْ تَرْقُ

ले आयें. या आप के लिये सोने का मकान हो या आप आस्मान

فِي السَّمَاءِ ۖ وَلَن نُّؤْمِنَ بِرُقِيٍّ حَتَّىٰ تُنَزَّلَ عَلَيْنَا

मे यण्ड जायें और हम आप के यण्डने को भी हरगिज नही मानेंगे यहां तक के आप हम पर किताब उतार

كِتَابًا تَقْرَؤُا ۖ قُلْ سُبْحَانَ رَبِّيَ هَلْ كُنْتُ إِلَّا بَشَرًا

کر لے آؤ جس کو ہم پڑھ لیں۔ آپ فرما دیجیے کہ سُبْحَانَ اللّٰہ (میرا رب پاک ہے)، میں

رَسُولًا ۖ وَمَا مَنَعَ النَّاسَ أَنْ يُؤْمِنُوا إِذْ جَاءَهُمْ

تو نہی ہوں مگر ایک بے جا ہوا انسان۔ اور انسانوں کو ایمان لانے سے مانع نہی ہوں جب ان کے پاس

الْهُدَىٰ إِلَّا أَنْ قَالُوا أَبَعَثَ اللَّهُ بَشَرًا رَسُولًا ۖ قُلْ

ہدایت آئی ہے۔ اور انہوں نے کہا: اللہ نے ایک انسان کو رسول بنا کر بھیجا؟ آپ

لَوْ كَانَ فِي الْأَرْضِ مَلَائِكَةٌ يُّنْشُونَ مَطْبِعَيْنِ

فرما دیجیے کہ اگر زمین میں فرشتے چلتے پھرتے ہوتے

لَنَزَّلْنَا عَلَيْهِمْ مِنَ السَّمَاءِ مَلَكًا رَسُولًا ۖ قُلْ كَفَىٰ

تو ہم ان پر آسمان سے فرشتہ رسول بنا کر اتارتے۔ آپ فرما دیجیے کہ اللہ

بِاللَّهِ شَهِيدًا بَيْنِي وَبَيْنَكُمْ ۖ إِنَّهُ كَانَ بِعِبَادِهِ

میرے اور تمہارے درمیان کا فی گواہ ہے۔ یقیناً وہ اپنے بندوں کی خبر رکھنے والا،

خَبِيرًا بَصِيرًا ۖ وَمَنْ يَهْدِ اللَّهُ فَمَا لَهْدٍ ۖ وَمَنْ

دیکھنے والا ہے۔ اور جس کو اللہ گمراہ کر دے وہ گمراہ رہتا ہے۔ اور جسے اللہ

يُضِلَّ فَلَنْ يَجِدَ لَهُمْ أَوْلِيَاءَ مِنْ دُونِهِ ۖ وَنَحْشُرُهُمْ

گمراہ کر دے تو آپ ان کے لیے اللہ کے علاوہ کوئی حمایتی نہ پائیں گے۔ اور ہم ان کو سخت

يَوْمَ الْقِيَامَةِ عَلَىٰ وُجُوهِهِمْ عُمًى وَبُكْبًا وَصَمًا ۖ مَا وَرَهُمْ

قیامت کے دن ان کے چہروں کے بل چلا کر انہیں، گونگا اور بہرا بنائیں گے۔ ان کا ٹھکانا

جَهَنَّمُ ۖ كُلًّا خَبَتْ زِدْنَاهُمْ سَعِيرًا ۖ ذَلِكَ جَزَاؤُهُمْ

جہنم ہے۔ جو اگر ان کی جگہ ہم نے دہرائی ہے۔ یہ ان کی سزا ہے جس سے وہ

بِأَنَّهُمْ كَفَرُوا بِآيَاتِنَا وَ قَالُوا إِذَا كُنَّا عِظَامًا وَرَفًا

کہہ رہے ہیں کہ ہم نے تمہاری آیتوں کو کفر کیا اور انہوں نے کہا کہ کیا ہم ہڈیاں اور

ءَاِنَّا لَمَبْعُوثُونَ خَلْقًا جَدِيدًا ۖ أَوَلَمْ يَرَوْا أَنَّ اللَّهَ

ہم کو دوبارہ پیدا کیا جائے گا؟ اور انہوں نے دیکھا کہ اللہ نے

الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ قَادِرٌ عَلَىٰ أَنْ يَخْلُقَ

اسماں اور زمین کو پیدا کیا، وہ قادر ہے جس پر کہ ان کے جیسے پیدا کرے

مِثْلَهُمْ وَجَعَلَ لَهُمْ أَجَلًا لَا رَيْبَ فِيهِ ۖ فَأَبَى الظَّالِمُونَ

और अब्दुल ने उन के लिये एक आगिरी मुद्दत मुक़रर कर दी है जिस में शक नही. फिर भी आदिम लोग ई-कार

إِلَّا كُفُورًا ﴿٩٩﴾ قُلْ لَوْ أَنْتُمْ تَعْلَمُونَ خَزَائِنَ رَحْمَةِ رَبِّي

ਕਰਦੇ ਹੋ ਮਗਰ ਫੁੱਲ ਮੈਂ (ਭਯੁਤ ਹੋ). ਆਪ ਫ਼ਰਮਾ ਟੀਯੋ ਦੇ ਅਗਰ ਤੁਮ ਮਾਲਿਕ ਹੋਤੇ ਮੇਰੇ ਰਖ ਕੀ ਰਖਮਤ ਦੇ ਯਾਅਨੋ ਦੇ

إِذَا لَأَمْسَكْتُمْ خَشْيَةَ الْإِنْفَاقِ ۖ وَكَانَ الْإِنْسَانُ قَتُورًا ۝٤٠

તબ તો તુમ ખર્ય હો જીને કે ખૌફ સે રોક લેતે. ઔર ઇન્સાન બડા બખીલ વાકેઅ હુવા હૈ.

وَلَقَدْ آتَيْنَا مُوسَى تِسْعَ آيَاتٍ بَيِّنَاتٍ فَعُذِلَ بَنِي إِسْرَءِيلَ

યકીનન હમ ને મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) કો નૌ મોઅજિઝાત દિયે, ફિર આપ બની ઇસ્રાઈલ સે પૂછિયે

إِذْ جَاءَهُمْ فَقَالَ لَهُ فِرْعَوْنُ إِنِّي لَأَظُنُّكَ يَمُوسَى

જાન મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) ઉન કે પાસ આયે તો ફિરઔન ને મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) સે કહા કે યકીનન મૈં તુમ્હે એ મૂસા!

مَسْحُورًا ﴿١٠﴾ قَالَ لَقَدْ عَلِمْتُمْ مَا أَنْزَلَ هَؤُلَاءِ إِلَّا رَبُّ

જાદૂ કરિયા હુવા ગુમાન કરતા હું. મૂસા (અલૈહિસ્સલામ)ને ફરમાયા કે યકીનન તૂ જાનતા હૈ કે ઉન કો નહી ઉતારા મગર

السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ بِصَاحِبِهِ وَإِنِّي لَأَظُنُّكَ يُفْرَعُونَ

આસ્માનો ઔર ઝમીન કે રબ ને આંખે ખોલ દેને વાલે (દલાઈલ) બના કર. ઔર યકીનન મૈ તુજે એ ફરિઓન! હલાક હોને વાલા

مَثُورًا ﴿١٢﴾ فَأَرَادَ أَنْ يَنْتَفِرَهُمْ مِنَ الْأَرْضِ فَأَغْرَقْنَاهُ

ગુમાન કર રહ્યા હું ફિર ફિરઓન ને ચાહ્યા કે ઉન કો ઈસ મુઝ્ક સે પરેશાન કર કે નિકાલ દે, તો હમ ને ફિરઓન ઓર ઉન

وَمَنْ مَّعَهُ جَمِيعًا ۖ وَقُلْنَا مَنْ بَعْدَهُ لِبَنِيِّ إِسْرَءِيلَ

તમામ કો જો ફિરિયોન કે સાથ થે સબ કો ગર્ક કર દિયા. ઔર હમ ને ઇસ કે બાદ બની ઇસ્ટાઈલ સે કુછ કે

اَسْكُنُوا الْاَرْضَ فَاِذَا جَاءَ وَعْدُ الْاٰخِرَةِ جِئْنَا بِكُمْ لَفِيفًا ﴿١٢﴾

ઈસ મુદ્દક મેં રહો. ફિર જબ આખિરત કા વાદા આએગા તો હમ તમ્હેં સમેટ કર લે આએંગે.

وَبِالْحَقِّ أَنْزَلْنَاهُ وَبِالْحَقِّ نَزَلَ ۖ وَمَا أَرْسَلْنَاكَ إِلَّا مُبَشِّرًا

और छकड़ी के साथ हम ने उस को उतारा और छकड़ी के साथ वो उतरा. और हम ने आप को रसूख बना कर नहीं भेजा मगर बशाarat

وَنَذِيرًا ﴿١٥﴾ وَقُرْآنًا فَرَقْنَاهُ لِتَقْرَأَهُ عَلَى النَّاسِ

ઢેને વાલા ઔર ડરાને વાલા બના કર. ઔર કુર્બાન કો હમ ને અલગ અલગ કર કે ઉતારા તાકે આપ ઇન્સાનો કે સામને ઉસ

عَلَىٰ مَكَّةَ ۖ وَنَزَّلْنَاهُ تَنْزِيلًا ﴿١٦﴾ قُلْ آمِنُوا بِهِ أَوْ لَا تُؤْمِنُوا ۖ

કો. પબ્લિકેટર ઈસ્ટર કર ઓર હમ ને ઈસ કો થોડા થોડા ઉતારા હૈ. આ પ ફરમા દીજિયે કે તમ ઉસ પર ઈમાન લાઓ યા ઈમાન ન લાઓ.

إِنَّ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ مِنْ قَبْلِهِ إِذَا يُتْلَى عَلَيْهِمْ

যকীনন वो जिन्हें ईलम दिया गया इस से पेहले, उन पर तो जब ये तिलावत किया जाता है

يَخْرُونَ لِلْأَذْقَانِ سُجَّدًا ۝ وَيَقُولُونَ سُبْحَنَ رَبِّنَا

तो वो अपनी ठोडियों के बल सजदे में गिर जाते हैं. और केहते हैं के उमारा रब पाक है,

إِنْ كَانَ وَعْدُ رَبِّنَا لَمَفْعُولًا ۝ وَيَخْرُونَ لِلْأَذْقَانِ

যকীনন उमारे रब का वादा अलबत्ता पूरा हो कर रहा. और वो ठोडियों के बल गिर जाते हैं

يَبْكُونَ وَيَزِيدُهُمْ خُشُوعًا ۝ قُلِ ادْعُوا اللَّهَ

रोते हुवे और ये उन के भुशूअ को और जयादा करता है. आप इरमा दीजिये के तुम अल्लाह को पुकारो

أَوْ ادْعُوا الرَّحْمَنَ ۖ أَيَّامًا تَدْعُوا فَلَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَىٰ ۖ

या रहमान को पुकारो, जौनसे को भी तुम पुकारो तो उस के लिये सब से अच्छे नाम हैं.

وَلَا تَجْهَرْ بِصَلَاتِكَ وَلَا تُخَافُ بِهَا وَابْتَغِ بَيْنَ

और आप अपनी नमाज में न जयादा जोर से पण्डिये और न बिल्कुल आहिस्ता पण्डिये और उस के

ذَلِكَ سَبِيلًا ۝ وَقُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي لَمْ يَخْذُ

हरमियान रास्ता ईप्तियार कीजिये. और आप इरमा दीजिये के तमाम तारीकें उस अल्लाह

وَلَدًا وَلَمْ يَكُنْ لَهُ شَرِيكٌ فِي الْمُلْكِ وَلَمْ يَكُنْ

के लिये हैं जो न औलाद रबता है और न उस का कोई शरीक है सल्तनत में और न कोई

لَهُ وَلِيٌّ مِّنَ الدُّنْيَا وَكَبِيرُهُ ۖ تَكْبِيرًا ۝

उस का कमजोरी की वजह से मददगार है और उसी की आप ખૂબ બડાઈ બયાન कीजिये.

رُكُوعَاتُهَا ۱۲ (۱۸) سُورَةُ الْكَهْفِ مَكِّيَّةٌ (۶۹)

और १२ रुकूअ हैं सूरअे कइइ मक्का में नाजिल हुई इस में ११० आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

ਪਘੜਤਾ ਝੂੰ ਅਲ੍ਲਾਹ ਕਾ ਨਾਮ ਲੇ ਕਰ ਜੋ ਭਡਾ ਮੇਹਰਬਾਨ, ਨਿਛਾਯਤ ਰਹਮ ਵਾਲਾ ਹੈ

الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي أَنْزَلَ عَلَى عَبْدِهِ الْكِتَابَ

ਤਮਾਮ ਤਾਰੀਕੇਂ ਉਸ ਅਲ੍ਲਾਹ ਕੇ ਲਿਯੇ ਹੋਂ ਜਿਸ ਨੇ ਅਪਨੇ ਭਨ੍ਦੇ ਪਰ ਯੇ ਕਿਤਾਬ ਉਤਾਰੀ

وَلَمْ يَجْعَلْ لَهُ عِوَجًا ۖ قَيِّمًا لِّيُنذِرَ بَأْسًا شَدِيدًا مِّنْ

और उस में कोई कज्ज नडीं रभी. (इस किताब को उतारा) तस्हीक करने वाला बना कर ताके इराअे सप्त अज्ज

لَدُّنْهُ وَيُبَشِّرُ الْمُؤْمِنِينَ الَّذِينَ يَعْمَلُونَ الصَّالِحَاتِ

سے اذکار کی तरاف سے اور ایمان والوں کو بشارت دے جو اعمالہ صالحہ کرتے ہیں

أَنَّ لَهُمْ أَجْرًا حَسَنًا ۚ مَا كَثِيرٌ فِيهِ اَبَدًا ۝

ایس بات کی کہ ان کے لیے اچھا سواہ ہے۔ جس میں وہ ہمیشہ رہیں گے۔

وَيُنذِرُ الَّذِينَ قَالُوا اتَّخَذَ اللَّهُ وَلَدًا ۚ مَا لَهُمْ بِهِ

اور دہائی ان کو جو یوں کہتے ہیں کہ اللہ نے اولاد بنا لی ہے۔ ان کے پاس اور ان

مِنْ عِلْمٍ وَلَا لِابْنائِهِمْ ۚ كَبُرَتْ كَلِمَةً تَخْرُجُ

کے پاس داد کے پاس ایس پر کوئی دلیل نہی۔ بڑا کلمہ ہے جو ان کے

مِنْ أَفْوَاهِهِمْ ۚ إِنَّ يَقُولُونَ إِلَّا كَذِبًا ۝ فَلَعَلَّكَ بَاخِعٌ

میں سے نکلتا ہے۔ وہ سب جھوٹ کہتے ہیں۔ کیا شاید آپ اپنی جان

تَفْسِكَ عَلَىٰ آثَارِهِمْ إِنَّ لَمْ يُؤْمِنُوا بِهَذَا الْحَدِيثِ

نیکال دے ان کے پیچھے افسوس کے مارے اگر وہ ایس کورآن پر ایمان نہی

أَسْفًا ۚ إِنَّا جَعَلْنَا مَا عَلَى الْأَرْضِ زِينَةً لِّهَا

لاتے۔ یقیناً ہم نے اسے جو زمین کے اوپر ہے زمین کی زینت بنا دیا ہے تاکہ ہم

لِنَبْلُوَهُمْ أَيُّهُمْ أَحْسَنُ عَمَلًا ۚ وَإِنَّا لَجَاعِلُونَ

انہیں آزمائیں گے کہ ان میں سے کون ان میں سے اچھا عمل کرنے والا ہے۔ اور یقیناً ہم اس کو جو زمین کے

مَا عَلَيْهَا صَعِيدًا جُرُزًا ۚ أَمْ حَسِبْتَ أَنَّ أَصْحَابَ الْكَهْفِ

وہاں پر ہے سب سے زیادہ جڑواں؟ ام کہتے ہیں کہ ان کے پاس (گار والے)

وَالرَّقِيمِ ۚ كَانُوا مِنْ آيَاتِنَا عَجَبًا ۚ إِذْ أَوَى الْفِتْيَةُ

اور رقیم؟ انہوں نے آیتوں میں سے تھے؟ جب کہ چند نوجوانوں نے

إِلَى الْكَهْفِ فَقَالُوا رَبَّنَا آتِنَا مِنْ لَدُنْكَ

گار میں پناہ دی، اور انہوں نے کہا کہ اے ہمارے رب! تو ہمیں اپنی طرف سے دے دے

رَحْمَةً ۚ وَهِيَ لَنَا مِنْ أَمْرِنَا رَشَدًا ۚ فَضَرْبَنَا

رحمت دے اور ہمارے لیے ہمارے معاملہ میں رہنمائی دے دے۔ اور ہم

عَلَىٰ أَدْنَاهُمْ فِي الْكَهْفِ سِنِينَ عَدَدًا ۚ ثُمَّ

انہوں کے پاس گار میں چند سال تک رہا۔ اور ہم نے ان کو

بَعَثْنَهُمْ لِتَعْلَمَ اَيُّ الْحَزْبَيْنِ اَحْطٰى لِمَا لَبِثُوْا

نہنہ سے اڈایا تاکہ اڈما مالوم کرے کہ کونسی جماعت اپنے ڈہڈرنے کی مڈدت کو اڈیاا یاا

اَمَّاۤ اِنَّهُمْ لَفِيْٓ اَهْلٰۤیْهِمْ سٰۤاجِدٰۤیْنَ ۝۱۲ نَحْنُ نَقُصُّ عَلَیْكَ نَبَاَهُمْ بِالْحَقِّ ۚ اِنَّهُمْ

رہنے والی ڈے؟ اڈما آپ کے سامنے اڈن کا کیرسا تڈکیک سے ہیان کرتے ڈے. یکیانن वो यन्

فَتِیۡۃٌ اٰمَنُوْا بِرَبِّہِمۡ وَزِدْنٰہُمۡ هُدٰۤی ۝۱۳ وَ رَبَطْنَا

نہجوان थे جو اپنے رہہ پر ایمان لااے थे اور اڈما نے اڈن کو اڈیاا ڈیڈیات ڈی ڈی. اور اڈما نے اڈن کے

عَلٰی قُلُوْبِہِمۡ اِذْ قَامُوْا فَقَالُوْا رَبُّنَا رَبُّ السَّمٰوٰتِ

ڈیلوں کو مڈبھوت کر ڈیا ڈا جب वो ہڈے ڈوے اور اڈنوں نے کڈا کے اڈمارا رہہ آاسمانوں اور اڈمین کا

وَالْاَرْضِ لَنْ نَّذْعُوْا مِنْ دُوْنِہِۙ اِلٰہًا لَّقَدْ قُلْنَا

رہہ ڈے, اڈما اڈس کے اڈلاوا کیرسی ماہڈڈ کو ڈرگیا نڈی پوکارے, یکیانن तब तो अम ने

اِذَا شَطَطًا ۝۱۴ هُوَۤاۤی قَوْمًا اتَّخَذُوْا مِنْ دُوْنِہِۙ

اڈک سے ڈھر والی ہات کڈی. ये अमारी कौम है जिन्हों ने अल्लाह के अलावा कछि माभूह बना

اِلٰہَۃً ۚ لَوْۤا یَاتُوْنَ عَلَیْہِمۡ بِسُلْطٰنٍ بَیِّنٍ ۖ فَمَنْ

لیرے ڈے. इस पर कोछि रोशन दलील कयूं नही लाते? फिर उस से

اَظْلَمُ مِمَّنۡ افْتَرٰی عَلٰی اللّٰہِ کَذِبًا ۝۱۵

अयादा अलिम कौन होगा जो अल्लाह पर झूठ घडे. और जब

وَ اِذْ اَعْتَرٰتْہُمْ وَمَا یَعْبُدُوْنَ اِلَّا اللّٰہَ فَاَوْۤاۤی الْکُھِیۡفِ

तुम अडन से और अल्लाह के अलावा अडन के माभूहों से अलग डो गाे डो तो तुम गार में पनाड लो,

یَنْشُرْ لَکُمْ رَبُّکُمْ مِّنْ رَّحْمَۃٍ وَ یَهِّیْ لَکُمْ

तुम्हारे लिये तुम्हारा रह अपनी रहमत निष्ठावर करेगा और तुम्हारे लिये तुम्हारे मुआमले में

مِّنْ اَمْرِکُمْ مَّرْفَقًا ۝۱۶ وَ تَرٰی الشَّمْسَ اِذَا طَلَعَتْ تَزُوْرُ

आसानी मुड्या करेगा. और तू सूरज को डेहेगा, जब वो तुलूअ डोता डे तो अडन

عَنْ کُھِیۡفِہِمۡ ذٰتِ الْیَمِیۡنِ وَاِذَا غَرَبَتْ تَقْرِضُهُمْ

के गार से दाई तरफ को डटता डे और जब गुरूड डोता डे तो अडन को बाई तरफ

ذٰتِ الشِّمَالِ وَہُمْ فِیۡ فِجْوَةٍ مِّنْہُ ۚ ذٰلِکَ مِنْ

काट डेता डे डालांके वो अडस के भुले मैदान में डे. ये अल्लाह की

اٰتِ اللّٰهُ مَنْ يَّهْدِ اللّٰهُ فَهُوَ الْمُهْتَدِ ۚ وَمَنْ يُضِلّْ

આયાત મેં સે હૈ. જિસ કો અલ્લાહ હિદાયત દે વો હિદાયતયાફતા હૈ ઓર જિસે ગુમરાહ કર દે

فَلَنْ تَجِدَ لَهُ وَلِيًّا مُّرْشِدًا ۝ وَ تَحْسِبُهُمْ اَيْقَاطًا

તો આપ ઉસ કે લિયે કોઈ દોસ્ત રાસ્તા બતાને વાલા હરગિઝ નહી પાઓગે. ઓર આપ ઉન્હે બેદાર ગુમાન કરેગો

وَهُمْ رُقُودٌ ۚ وَتَقْلِبُهُمْ ذَاتَ الْيَمِينِ وَ ذَاتَ الشِّمَالِ ۚ

હાલાંકે વો સોએ હુવે હૈ. ઓર હમ ઉન્હે દાઈ ઓર બાઈ તરફ ઉલટ પલટ કરતે હૈ.

وَ كَلْبُهُمْ بَاسِطٌ ذِرَاعَيْهِ بِالْوَصِيدِ ۚ لَوِ اطَّلَعَتْ

ઓર ઉન કા કુત્તા અપની બાહૈ ચોખટ પર ફેલાએ હુવે હૈ. અગર આપ ઉન કી

عَلَيْهِمْ لَوَلِيَّتٌ مِنْهُمْ فَارًا ۚ وَلَمِلَّتْ مِنْهُمْ رُعْبًا ۝

તરફ જાંકે તો ઉન સે પીઠ ફેર કર ભાગે ઓર આપ ઉન કી તરફ સે મરઉબ હો જાએ.

وَكَذٰلِكَ بَعَثْنٰهُمْ لِتَسْأَلُوْا بَيْنَهُمْ ۚ قَالَ قَائِلٌ

ઓર ઇસી તરહ હમ ને ઉન કો જગા દિયા તાકે વો આપસ મેં સવાલ કરે. ઉન મેં સે એક કેહને વાલે

مِّنْهُمْ كَمْ لَبِثْتُمْ ۚ قَالُوا لَبِثْنَا يَوْمًا اَوْ بَعْضَ يَوْمٍ ۚ

ને કહા કે તુમ કિતના ઠેહરે રહે? તો ઉન્હો ને કહા કે હમ એક દિન યા એક દિન સે ભી કમ ઠેહરે રહે.

قَالُوا رَبُّكُمْ اَعْلَمُ بِمَا لَبِثْتُمْ ۚ فَابْعَثُوْا اَحَدَكُمْ

ઉન્હો ને કહા કે તુમહારા રબ તુમહારે ઠેહરેની કી મુદત ખૂબ જાનતા હૈ. અબ તુમ અપને મેં સે કિસી એક કો

بِرُّوقِكُمْ هٰذِهِ اِلَى الْبَدِيْنَةِ فَلْيَنْظُرْ اَيُّهَا اَزْكٰى

તુમહારા ચાંદી કા યે દિરહમ દે કર શેહર કી તરફ ભેજો, ફિર ઉસે ચાહિયે કે વો દેખે કે કૌન સા ખાના ઝયાદા

طَعَامًا فَلْيَاْتِكُمْ بِرِزْقٍ مِّنْهُ ۚ وَلْيَتَلَطَّفْ

પાકીઝા હૈ, ફિર વો તુમહારે પાસ ઉસ મેં સે ખાના લાએ ઓર ઉસે ચાહિયે કે વો નર્મ બાત કરે

وَلَا يُشْعِرَنَّ بِكُمْ اَحَدًا ۝ اِنَّهُمْ اِنْ يَّظْهَرُوْا عَلَيْكُمْ

ઓર કિસી કો તુમહારા પતા ન બતલાએ. ઇસ લિયે કે વો અગર તુમ પર મુત્તલિઅ હો જાએગે

يَرْجُمُوْكُمْ اَوْ يُعَيِّدُوْكُمْ فِيْ مِلَّتِهِمْ وَلَنْ تُفْلِحُوْا

તો તુમહે રજૂમ કર દેગે યા તુમહે અપને મઝહબ મેં લૌટા દેગે ઓર તુમ ઉસ વકત કભી ભી હરગિઝ

اِذَا اَبَدًا ۝ وَكَذٰلِكَ اَعَثَرْنَا عَلَيْهِمْ لِيَعْلَمُوْا اَنْ وَعَدُ

કામ્યાબ ન હો સકોગે. ઓર ઇસી તરહ હમ ને ઉન પર મુત્તલિઅ કિયા તાકે વો જાન લે કે અલ્લાહ કા

اللَّهُ حَقٌّ وَأَنَّ السَّاعَةَ لَا رَيْبَ فِيهَا إِذْ يَتَنَازَعُونَ

واحد سख्या ہے اور یہ کہ کیا مدت میں کوئی شک نہ ہوگا۔ جب کہ وہ آپس میں جھگڑ رہے ہوں (اسخا بہ)

بَيْنَهُمْ أَمْرُهُمْ فَقَالُوا ابْنُوا عَلَيْهِم بُيُوتًا رَبُّهُمْ

کھڑے) کے موصاملے میں، تو ہاں نے کھا کے ہن ٲر ہمارت ہنا لو۔ ہن کا رہ ہن

أَعْلَمُ بِهِمْ ۖ قَالَ الَّذِينَ غَلَبُوا عَلَىٰ أَمْرِهِمْ لَنَتَّخِذَنَّ

بھب جاننا ہے۔ ہن لوگوں نے کھا جو ہن کے موصاملے میں انااا ہاہنننار ہہ کے ہم اڑر ہن کے

عَلَيْهِمْ مَّسْجِدًا ۖ سَيَقُولُونَ ثَلَاثَةٌ رَّابِعُهُمْ

ہٲر مسنن اناہہو۔ اہب وو کھہو کے اسخا بہ کھڑے تہن ہہ، ہن میں ہوہا

كُلُّهُمْ ۖ وَيَقُولُونَ خَمْسَةٌ سَادِسُهُمْ كُلُّهُمْ رَجْمًا

ہن کا کتا ہا۔ اور کھہو کے ٲانہ ہہ، ہن میں ہڑا ہن کا کتا ہا، ہہ ہہہ ٲہہر

بِالْغَيْبِ ۖ وَ يَقُولُونَ سَبْعَةٌ وَثَامِنُهُمْ كُلُّهُمْ

ہہکتے ہوے۔ اور وو کھہو کے سات ہہ اور ااااں ہن کا کتا ہا۔ ااٲ ہرما

قُلْ رَبِّي أَعْلَمُ بِعَدَّتِهِمْ مَّا يَعْلَمُهُمْ إِلَّا قَلِيلٌ ۚ

ہہننہ کے ہہرا رہ ہن کی ااااا بھب جاننا ہے، ہوہے لوگوں کے سوا کسی کو ہن کی ااااا کا ہلم نہہہ

فَلَا تَمَرَّ فِيهِمْ إِلَّا مِرَاءً ظَاهِرًا ۚ وَلَا تَسْتَفْتِ فِيهِمْ

ہس لنہہ ااٲ ہن کے ہارے میں سوااے سرسری ہااا کے انااا ہااا نہہہننہ۔ اور ااٲ ہن کے ہارے

مِّنْهُمْ أَحَدًا ۚ وَلَا تَقُولَنَّ لِّشَيْءٍ إِنِّي فَاعِلٌ

میں ہن میں سے کسی سے نہہہننہ۔ اور کسی ہہا کے متااااااا ہوں نہہہننہ کے میں ہس کو

ذَلِكَ عَدَا ۚ إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ ۚ وَادْكُرْ رَبَّكَ

کلا کڑگا۔ مہر ہہ کے ااااااا اااے (تو کڑگا)۔ اور اٲنہ رہہ کو اااا کہہننہ

إِذَا نَسِيتَ وَقُلْ عَسَىٰ أَنْ يَهْدِيَنِّي رَبِّي ۖ لَا قَرَبَ

جب ااٲ بھل جانے اور ااٲ ہوں کھننہ کے اہہ سکتا ہے کہ ہہرا رہہ ہس سے اکرہب

مِنْ هَذَا رَشَدًا ۖ وَلَبِثُوا فِي كَهْفِهِمْ ثَلَاثَ مِائَةٍ

رہا و انااااا کی راا ٲر مہہ لگاا ہہ۔ اور وو اٲنہ ہار میں تہن سو ہرس

سِنِينَ ۖ وَارْجِعُوا إِلَىٰ قُلُوبِكُمْ ۖ قُلِ اللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا

اور مہہاا نہہہ سات ہہہرے۔ ااٲ ہرما ہہننہ کے ااااااا ہن کے ہہہرے کی متااا بھب

لَبِثُوا لَهُ غَيْبُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ ۖ أَبْصُرْ بِهِ

જાનતા છે. ઉસ કે પાસ આસ્માનોં ઓર ઝમીન કા ગૈબ છે. કયા અજીબ ઉસ કા દેખના

وَأَسْمِعْ ۖ مَا لَهُمْ مِّنْ دُونِهِ مِنْ وَلِيٍّ ۚ وَلَا يُشْرِكُ

ઓર સુનના છે. બન્દોં કે લિયે અલ્લાહ કે સિવા કોઈ મદદગાર નહી. ઓર વો અપની હુકૂમત મેં

فِي حُكْمِهِ أَحَدًا ۖ وَاتْلُ مَا أُوحِيَ إِلَيْكَ

કિસી કો શરીક નહી કરતા. ઓર આપ તિલાવત કીજિયે ઉસે જો આપ કી તરફ આપ કે રબ કી કિતાબ મેં

مِّنْ كِتَابِ رَبِّكَ ۚ لَا مُبَدِّلَ لِكَلِمَاتِهِ ۚ وَلَنْ تَجِدَ

સે વહી ક્રિયા ગયા છે. ઉસ કે કલિમાત કો કોઈ બદલ નહી સકતા. ઓર આપ ઉસ કે અલાવા કોઈ પનાહ કી

مِّنْ دُونِهِ مُلْتَحَدًا ۖ وَاصْبِرْ نَفْسَكَ مَعَ الَّذِينَ

જગા હરગિઝ નહી પાઓગે. ઓર આપ અપને કો રોકે રખિયે ઉન કે સાથ જો

يَدْعُونَ رَبَّهُمْ بِالْغَدْوَةِ وَالْعَشِيِّ يُرِيدُونَ

અપને રબ કો સુબહ વ શામ પુકારતે હૈ, ઉસ કી રઝા કે

وَجَهَهُ وَلَا تَعْدُ عَيْنُكَ عَنْهُمْ ۖ تُرِيدُ زِينَةَ الْحَيَاةِ

તાલિબ હૈ ઓર અપની નિગાહ ઉન સે ન હટાઈયે. દુન્યવી ઝિન્દગી કી ઝીનત આપ યાહતે હૈ?

الدُّنْيَا ۖ وَلَا تُطِعْ مَنْ أَغْفَلْنَا قَلْبَهُ عَن ذِكْرِنَا

ઓર ઉસ શખ્સ કા કેહના ન માનિયે જિસ કા દિલ હમ ને અપની યાદ સે ગાફિલ કર રખા છે ઓર વો

وَاتَّبِعْ هَوَاهُ ۚ وَكَانَ أَمْرًا فُرْطًا ۖ وَقُلِ الْحَقُّ

અપની ખ્વાહિશ કે પીછે પડ ગયા છે ઓર ઉસ કા મુઆમલા હદ સે આગે બબ્હ ગયા છે. ઓર આપ યું કહિયે કે

مِّن رَّبِّكُمْ ۖ فَمَن شَاءَ فَلْيُؤْمِنْ وَمَن شَاءَ فَلْيُكْفُرْ ۚ

હક તુમહારે રબ કી તરફ સે છે. તો જો યાહે ઈમાન લાએ ઓર જો યાહે વો કુફર કરે.

إِنَّا أَعْتَدْنَا لِلظَّالِمِينَ نَارًا ۖ أَحَاطَ بِهِمْ سُرَادِقُهَا ۖ

યકીનન હમ ને ઝાલિમોં કે લિયે આગ તૈયાર કર રખી છે, આગ કી કનાતેં ઉન્હેં ઘેરે હુવે હૈ.

وَإِنْ يَسْتَغِيثُوا يُغَاثُوا بِمَاءٍ كَالْمُهْلِ يَشْوِي الْوُجُوهَ

ઓર અગર વો મદદ માંગેં તો ઉન કી મદદ કી જાએગી એસે પાની સે જો પિધલે હુવે તાંબે કી તરહ હોગા, જો ચેહરો કો

بِئْسَ الشَّرَابُ ۖ وَسَاءَتْ مُرْتَفَقًا ۖ إِنَّ الَّذِينَ

ભૂન દેગા. કિતની બુરી શરાબ. ઓર (જહન્નમ) કિતની બુરી જગા છે. યકીનન જો

اٰمَنُوْا وَعَمِلُوا الصّٰلِحٰتِ اِنَّا لَا نُضِیْعُ اَجْرَ مَنْ اَحْسَنَ

ઈમાન લાએ ઓર જો નેક કામ કરતે રહે, યકીનન ઉસ કા અજર હમ ઝાએઅ નહી કરેગે જિસ ને

عَمَلًا ۝ اُولٰٓئِكَ لَهُمْ جَنَّتٌ عَدْنٌ تَجْرٰی

અચ્છા અમલ ક્રિયા. ઉન કે લિયે જન્નાતે અદ્દન હોંગી, જિન કે નીચે સે

مِنْ تَحْتِهِمُ الْاَنْهٰرُ يُجَالُوْنَ فِيْهَا مِنْ اَسَاوِرَ مِنْ ذَهَبٍ

નેહરે બેહતી હોંગી, ઉન્હે ઉન મેં કંગન પેહનાએ જાએગે સૌને કે

وَّيَلْبَسُوْنَ ثِيَابًا خُضْرًا مِّنْ سُنْدُسٍ وَّاِسْتَبْرَقٍ

ઓર વો સબ્જ લિબાસ પેહનેગે બારીક રેશમ કે ઓર મોટે રેશમ કે,

مُتَكِّيْنَ فِيْهَا عَلَى الْاَرَآئِكِ ۖ نِعْمَ الثَّوَابُ ۖ وَحَسُنَتْ

ઉન મેં વો તખ્તોં પર ટેક લગાએ હોંગે. કિતના અચ્છા બદલા હૈ, ઓર કિતની અચ્છી

مَّرْتَفَقًا ۖ وَاَضْرَبَ لَهُمْ مَّثَلًا رَّجُلَيْنِ جَعَلْنَا

રાહત કી જગા હૈ. ઓર આપ ઉન કે સામને મિસાલ બયાન કીજિયે દો આદમિયોં કી કે ઉન મેં સે એક કે

اِلٰحِدِهِمَا جَنَّتَيْنِ مِّنْ اَعْنَابٍ وَّحَفَفْنٰهُمَا بِنٰخِلٍ

લિયે હમ ને અંગૂર કે દો બાગ બનાએ ઓર હમ ને ઉન દોનોં બાગોં કો ચારોં તરફ સે ઘેર લિયા ખજૂર કે

وَّجَعَلْنَا بَيْنَهُمَا زُرْعًا ۖ كُلَّا الْجَنَّتَيْنِ اِتَتْ

દરખ્તોં સે ઓર ઉન દોનોં કે દરમિયાન હમ ને ખેત બના દિએ. યે દોનોં બાગ અપને ફલ દેતે

اُكْلًا ۖ وَلَمْ تَظْلِمْ مِنْهُ شَيْءًا ۖ وَفَجَّرْنَا خِلَافَهُمَا

થે ઓર ઉસ મેં સે કુછ કમ નહી કરતે થે. ઓર હમ ને ઉન દોનોં બાગોં કે દરમિયાન નેહર જારી

نَهْرًا ۖ وَكَانَ لَهُ ثَمَرٌ فَقَالَ لِصَاحِبِهِ وَهُوَ يُحَاوِرُهُ

કર દી થી. ઓર બરાબર ફલ ઉસે મિલ રહે થે. તો વો અપને સાથી સે કેહને લગા ઉસ સે ગુફ્તગૂ કે દોરાન

اَنَا اَكْثَرُ مِنْكَ مَالًا وَّاَعَزُّ نَفَرًا ۖ وَدَخَلَ جَنَّتَهُ

કે મેં તુજ સે ઝયાદા માલ વાલા હૂં ઓર તુજ સે ઝયાદા ભારી નફરી વાલા હૂં ઓર વો અપને બાગ મેં દાખિલ

وَهُوَ ظَالِمٌ لِّنَفْسِهٖ ۚ قَالَ مَّا اَظُنُّ اَنْ تَبَيِّدَ هٰذِهِ

હુવા ઈસ હાલ મેં કે વો અપની જાન પર ઝુલ્મ કરને વાલા થા. વો કેહને લગા કે મેરા યે ગુમાન નહી કે યે બાગ

اَبَدًا ۖ وَمَا اَظُنُّ السَّاعَةَ قٰٓئِمَةً ۚ وَلَیِّنْ رُّوْدُنُ

કભી બરબાદ હોગા. ઓર મેં કયામત કે આને કા અકીદા નહી રખતા, ઓર અગર મેં મેરે

إِلَىٰ رَبِّ لَاجِدَنَّ خَيْرًا مِّنْهَا مُنْقَلَبًا ﴿۳۸﴾ قَالَ

رَبِّ کی तरફ لَوٹا اُبی دیا گیا تو مَیں اُس سے بے حد تر جگا پاؤگا۔ اُس

لَهُ صَاحِبُهُ وَهُوَ يُحَاوِرُهُ أَكَفَرْتَ بِالَّذِي

کے ساتھی نے اُسے کُذا گُفتگو کے دَویران، کیا تُو کُفر کرتا ہے اُس جات کے ساتھ جس نے

خَلَقَكَ مِنْ تُرَابٍ ثُمَّ مِنْ نُطْفَةٍ ثُمَّ سَوَّكَ

تُوہے مِٹی سے پَیدا کیا، کَیہر نُطفے سے، کَیہر تُوہے پُورا اِنسان

رَجَلًا ﴿۳۹﴾ لَكِنَّا هُوَ اللَّهُ رَبُّي وَلَا أُشْرِكُ بِرَبِّي

بنا یا؟ لَکین وہی اَللہ رَبِّ ہے اُور مَیں اپنے رب کے ساتھ کِسی کو شَرِک نہی

أَحَدًا ﴿۴۰﴾ وَلَوْلَا إِذْ دَخَلْتَ جَنَّتَكَ قُلْتَ

ہے! مَا شَاءَ اللَّهُ! اُور جب تُو اپنے باغ میں دَاخِل ہوا تو تُو نے یوں کُیوں نہی کُذا اَللہ

مَا شَاءَ اللَّهُ لَا قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ إِنْ تَرَنِ أَنَا أَقَلَّ

مَا شَاءَ اللَّهُ لَا قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ (اُور اَللہ نے یا کُذا (وہی ہوگا)، تاکت نہی مگر اَللہ کی تر کُ سے)، اُگر تُو مُوہے

مِنْكَ مَالًا وَ وَلَدًا ﴿۴۱﴾ فَعَسَىٰ رَبِّي أَن يُؤْتِيَنِي

ہے رب کُ مال ہے کُ مَیں تُو سے کُم مال اُور کُم اُولاد والا کُں تو کُ سکتا ہے کُ مَیرا رب مُوہے تیرے باغ

خَيْرًا مِّنْ جَنَّتِكَ وَيُرْسِلَ عَلَيْهَا حُسْبَانًا

سے بے حد تر دے دے اُور اِس باغ پر آسمان سے اُجانب

مِّنَ السَّمَاءِ فَتُصْبِحُ صَعِيدًا زَلَقًا ﴿۴۲﴾ أَوْ يُصْبِحُ مَاءً

مَہج دے، اُور یہ کِسیلن والا مَیدان بن جائے۔ یا اُس کا پانی اُبین میں نیچے

غَوْرًا فَلَنْ تَسْتَطِيعَ لَهُ طَلَبًا ﴿۴۳﴾ وَأُحِيطَ بِثَمَرِهِ

چلا جائے، کِسی تر کُ تُو اُسے تَلَاش اُبی نہ کر سکتے گا۔ اُور اُس کے کُلوں پر آکُت آ گئی،

فَأَصْبَحَ يُقَلِّبُ كَفَّيْهِ عَلَىٰ مَا أَنْفَقَ فِيهَا وَهِيَ

اُور وہ اپنے دُونوں کُ مَلتا رَہ گیا اُس مال پر جو اُس نے باغ میں بَرک کُیا تھا اُور وہ باغ

خَاوِيَةً عَلَىٰ عُرُوشِهَا وَيَقُولُ يَلَيْتَنِي لَمْ أُشْرِكْ

گِرا پڑا ہوا تھا اُس کے کُپروں پر، اُکُہر یہ کُہ رَہا تھا کُ کاش میں اپنے رب کے ساتھ کِسی کو

بِرَبِّي أَحَدًا ﴿۴۴﴾ وَلَمْ تَكُنْ لَهُ فِئَةٌ يَنْصُرُونَهُ

شَرِک نہ ہوتا۔ اُور اُس کی کُئی جَماعت اُبی نہ کُئی جو اُس کی نُسرت کرتی

مِنْ دُونِ اللَّهِ وَمَا كَانَ مُنتَصِرًا ﴿۳۷﴾ هُنَالِكَ

અલ્લાહ કે અલાવા ઓર વો ખુદ ભી અપની મદદ ન કર સકા. વહાં પર

الْوَلَايَةُ لِلَّهِ الْحَقِّ هُوَ خَيْرٌ ثَوَابًا وَخَيْرٌ عُقْبًا ﴿۳۸﴾

હકીકી હુકૂમત અલ્લાહ હી કે લિયે હે. વહી બેહતર સવાબ ઓર બેહતર બદલા દેને વાલા હે.

وَاصْرَبْ لَهُمْ مَثَلِ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا كَمَاءٍ أَنْزَلْنَاهُ

ઓર આપ ઉન કે સામને દુન્યવી જિન્દગી કી મિસાલ બયાન કીજિયે ઉસ પાની કી તરહ જો હમ ને આસ્માન સે

مِنَ السَّمَاءِ فَاخْتَلَطَ بِهِ نَبَاتُ الْأَرْضِ فَأَصْبَحَ

ઉતારા, ફિર ઉસ કે સાથ ઝમીન કા સબજા મિલ ગયા, ફિર વો ફૂડા કરકટ

هَشِيمًا تَذْرُوهُ الرِّيحُ ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

હો જાતા હે જિસ કો હવાએ ઉડાતી હે. ઓર અલ્લાહ હર ચીજ પર કુદરત

مُقْتَدِرًا ﴿۳۹﴾ أَلْبَابُ وَالْبُنُونَ زِينَةُ الْحَيَاةِ الدُّنْيَا

વાલા હે. માલ ઓર બેટે દુન્યવી જિન્દગી કી ઝીનત હે.

وَالْبَقِيَّةُ الصَّلَاحُ خَيْرٌ عِنْدَ رَبِّكَ ثَوَابًا وَخَيْرٌ

ઓર બાકી રેહને વાલી નેકિયાં બેહતર હેં તેરે રબ કે યહાં સવાબ કે એતેબાર સે ઓર ઉમ્મીદ કે એતેબાર સે

أَمَلًا ﴿۴۰﴾ وَيَوْمَ نُسَيِّرُ الْجِبَالَ وَتَرَى الْأَرْضَ بَارِزَةً ۖ

બેહતર હે. ઓર જિસ દિન હમ પહાડો કો ચલાએંગે ઓર તૂ ઝમીન હમવાર દેખેગા.

وَحَشَرْنَاهُمْ فَلَمْ نُغَادِرْ مِنْهُمْ أَحَدًا ﴿۴۱﴾ وَعَرَضُوا

ઓર હમ ઉન કો ઇકઠા કરેંગે, ફિર હમ ઉન મેં સે કિસી એક કો ભી નહી છોડેંગે. ઓર વો તેરે રબ

عَلَىٰ رَبِّكَ صَفًّا لَقَدْ جِئْتُمُونَا كَمَا خَلَقْنَاكُمْ

કે સામને સફ બસફ પેશ કિયે જાએંગે. (કહા જાએગા) કે યકીનન તુમ હમારે પાસ આ ગએ હો, જેસા હમ ને તુમ્હે

أَوَّلَ مَرَّةٍ ۚ بَلْ زَعَمْتُمْ أَلَّنْ نَجْعَلَ لَكُمْ مَوْعِدًا ﴿۴۲﴾

પેહલી બાર પૈદા કિયા થા. બલ્કે તુમ ને તો યે ગુમાન કિયા થા કે હમ તુમ્હારે લિયે વાદે કી જગા હરગિઝ નહી બનાએંગે.

وَوُضِعَ الْكِتَابُ فَتَرَى الْمُجْرِمِينَ مُشْفِقِينَ

ઓર નામએ આમાલ રખ દિયા જાએગા, ફિર મુજરિમોં કો આપ દેખેંગે કે ડરે હુવે હે

مِمَّا فِيهِ وَ يَقُولُونَ يُوَيْلَتَنَا مَالِ هَذَا الْكِتَابِ

ઉસ સે જો આમાલનામે મેં હે ઓર વો કહેંગે કે હાય હમારી હલાકત! ઇસ નામએ આમાલ કો કયા હુવા

لَا يُغَادِرُ صَغِيرَةً وَلَا كَبِيرَةً إِلَّا أَحْصَاهَا ۚ

کے نہ سہیڑا گوناگ کو ٲوڑا ٲے، نہ کبھیڑا، مگر سب کو ٲس نے مٲکڑا رہا ٲے۔

وَوَجَدُوا مَا عَمِلُوا حَاضِرًا ۚ وَلَا يَظْلِمُ رَبُّكَ

اور وہ اپنے آماال سامنے پاآئآے۔ اور تہرا رہ کسی پر ظلم نہی

أَحَدًا ۖ وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ اسْجُدُوا لِآدَمَ

کرتا۔ اور جب ٲم نے ٲریشٲوں سے کٲا کے آدم کو سجٲا کرے

فَسَجَدُوا إِلَّا إِبْلِيسَ ۖ كَانَ مِنَ الْجِنِّ فَفَسَقَ

تو سواآے ٲبلیس کے سب نے سجٲا کٲا۔ وہ جیناٲ مے سے ٲا، ٲیر ٲس نے ناٲرمانی کٲی

عَنْ أَمْرِ رَبِّهِ ۖ أَفَتَتَّخِذُونَهُ وَذُرِّيَّتَهُ أَوْلِيَاءَ

اپنے رہ کے ٲکرم کٲی۔ کٲا ٲیر توم مٲجے ٲوڑ کر کے ٲسے اور ٲس کٲی آوٲاٲ کو

مِنْ دُونِي وَهُمْ لَكُمْ عَدُوٌّ بِئْسَ لِلظَّالِمِينَ

ٲوست بناٲے ٲو ٲالاٲکے وہ تومٲارے ٲوشمن ٲے؟ آلیموں کو ٲورا

بَدَلًا ۖ مَا أَشْهَدُهُمْ خَلْقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ

ٲٲل مٲلا۔ مے نے ٲنٲے مٲٲٲ نہی رہا آاسمانوں اور اٲمین کے ٲٲا کرنے کے وکٲ

وَلَا خَلْقَ أَنْفُسِهِمْ ۚ وَمَا كُنْتُ مُتَّخِذَ الْمُضِلِّينَ

اور نہ ٲٲٲ ٲن کے ٲٲا کرنے کے وکٲ۔ اور مے گومراٲ کرنے والوں کو مٲٲگار نہی

عُضْدًا ۖ وَ يَوْمَ يَقُولُ نَادُوا شُرَكَائِيَ

ٲناٲا۔ اور جس ٲین وہ کٲےگا کے توم ٲوکارے مہرے ٲن شُرکا کو

الَّذِينَ زَعَمْتُمْ فَدَعَوْهُمْ فَلَمْ يَسْتَجِيبُوا لَهُمْ

جین کا توم ٲاوا کرتے ٲے، تو وہ ٲن کو ٲوکارےآے، ٲیر وہ ٲن کٲی ٲوکار کا جواٲ نہی ٲےآے

وَجَعَلْنَا بَيْنَهُمْ مَوْبِقًا ۖ وَرَأَى الْجُرْمُونَ النَّارَ

اور ٲم ٲن کے ٲر مٲیان مے ٲلاکٲگاٲ کاٲم کر ٲےآے۔ اور مٲجریم جٲننم کو ٲےآےآے،

فَظَنُّوا أَنَّهُمْ مُّوَاقِعُوهَا وَلَمْ يَجِدُوا عَنْهَا

ٲیر سمجھےآے کے وہ ٲس مے گیرنے والے ٲے اور ٲس سے ٲرنے کٲی جگا نہی

مَصْرَفًا ۖ وَلَقَدْ صَرَّفْنَا فِي هَذَا الْقُرْآنِ لِلنَّاسِ

ٲاآےآے۔ ٲکینن ٲم نے ٲس کُآان مے ٲنسانوں کے لٲیے ٲےر ٲےر کر

مِنْ كُلِّ مَثَلٍ ۖ وَكَانَ الْإِنْسَانُ أَكْثَرَ شَيْءٍ

تમાم میثالوں بیان کی ہیں۔ اور انسان سب چیزوں سے زیادہ

جَدَلًا ﴿۱۶﴾ وَمَا مَنَعَ النَّاسَ أَنْ يُؤْمِنُوا إِذْ جَاءَهُمْ

جھگڑاؤں ہیں۔ اور انسانوں کو ایمان لانے سے مانع نہیں ہوئی جب ان کے پاس

الرُّهْدَى وَيَسْتَغْفِرُوا رَبَّهُمْ إِلَّا أَنْ تَأْتِيَهُمْ

ہدایت آئی اور اپنے رب سے مغفرت طلب کرنے سے مانع نہیں ہوئی مگر یہ بات کہ ان کے پاس

سُنَّةُ الْأَوَّلِينَ أَوْ يَأْتِيَهُمُ الْعَذَابُ قُبُلًا ﴿۱۷﴾

پہلے لوگوں کا طریقہ آجائے یا ان کے پاس عذاب سامنے آ پڑے۔

وَمَا نُرْسِلُ الْمُرْسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَ مُنْذِرِينَ ۚ

اور ہم رسول نہیں بھیجتے مگر بشارت دینے والے اور ڈرانے والے بنا کر۔

وَيُجَادِلُ الَّذِينَ كَفَرُوا بِالْبَاطِلِ لِيُدْحِضُوا

اور کافر باطل کے زریعے جھگڑا کرتے ہیں تاکہ اس کے زریعے ان کو مٹا دے

بِهِ الْحَقِّ وَاتَّخَذُوا آيَتِي وَمَا أَنْذَرُوا هُزُوعًا ﴿۱۸﴾

اور وہ میری آیات کو اور اس کو جس سے ان کو ڈرایا گیا اسے مذاک بنا لے۔ اور اس سے

وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّنْ ذُكِّرَ بِآيَاتِ رَبِّهِ فَأَعْرَضَ

زیادہ ظالم کون ہوگا جسے اس کے رب کی آیات کے زریعے نصیحت کی جائے، پھر وہ اس سے

عَنْهَا وَنَسَىٰ مَا قَدَّمَتْ يَدَا ۖ إِنَّا جَعَلْنَا

اسے بھول کر اور بھلا دے اسے جو اس کے ہاتھوں نے آگے بٹھایا ہے۔ یہی نہ ہم نے ان کے دلوں پر

عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ أَكِنَّةً أَنْ يَفْقَهُوهُ وَفِي آذَانِهِمْ وَقْرًا ۖ

پڑھے رکھ دیے ہیں اس سے کہ وہ اسے سمجھیں اور ان کے کانوں میں ڈاک رکھ دی ہے۔

وَإِنْ تَدْعُهُمْ إِلَى الْهُدَىٰ فَلَنْ يَهْتَدُوا إِلَّا أَبَدًا ﴿۱۹﴾

اور اگر آپ انہیں ہدایت کی طرف بلوائیں تو وہ کبھی ہدایت نہیں پائیں گے کبھی بھی۔

وَرَبُّكَ الْغَفُورُ ذُو الرَّحْمَةِ ۖ لَوْ يُؤَاخِذُهُمْ

اور آپ کا رب بخشنے والا، رحم کرنے والا ہے۔ اگر اٹھائے ان کو پکڑے

بِمَا كَسَبُوا لَعَجَلٌ لَهُمُ الْعَذَابُ ۖ بَلْ لَهُمْ مَوْعِدٌ

ان کے اعمال کی وجہ سے تو ان کے لیے عذاب جلدی ہے۔ بلکہ ان کے لیے وعدہ ہے،

لَنْ يَجِدُوا مِنْ دُونِهِ مَوْيلًا ﴿۵۸﴾ وَتِلْكَ الْقُرَىٰ

وہیں سے پناہ کی جگہ وہ دیکھیں نہ پائیں گے۔ اور یہ بستیوں میں

أَهْلَكْنَهُمْ لَمَّا ظَلَمُوا وَجَعَلْنَا لِمَهْلِكِهِم

جس کو ہم نے ہلاک کیا جب انہوں نے ظلم کیا اور ہم نے ان کی ہلاکت کا وقت

مَوْعِدًا ﴿۵۹﴾ وَإِذْ قَالَ مُوسَىٰ لِفَتَاهُ لَا أَبْرَحُ

مقرر کر رہا تھا۔ اور جب موسیٰ (علیہ السلام) نے اپنے چاہنے والے سے فرمایا کہ میں ابراہم رہتا رہوں گا

حَتَّىٰ أَبْلُغَ مَجْمَعَ الْبَحْرَيْنِ أَوْ أَمْضِيَ حُقُبًا ﴿۶۰﴾ فَلَمَّا بَلَغَا

یہاں تک کہ میں پہنچ جاؤں دو سمندروں کے ملاپ یا کہ گزر دو دوروں کے

مَجْمَعَ بَيْنَهُمَا نَسِيَا حُوتَهُمَا فَاتَّخَذَ سَبِيلَهُ

دونوں پہنچے دو سمندروں کے ملاپ پر تو دونوں اپنی مچھلی بھول گئے، پھر مچھلی نے سمندر میں

فِي الْبَحْرِ سَرَبًا ﴿۶۱﴾ فَلَمَّا جَاوَزَا قَالَ لِفَتَاهُ إِنِّي

سراپ کر کے اپنا راستہ بنا لیا۔ پھر جب وہ دونوں آگے نکل گئے، تو موسیٰ (علیہ السلام) نے اپنے چاہنے والے

غَدَاةَنَا ۖ لَقَدْ لَقِينَا مِنْ سَفَرِنَا هَذَا نَصَبًا ﴿۶۲﴾

سے فرمایا کہ ہمارے پاس ہمارا ناشتا لاؤ۔ یہ کہہ کر ہمارے پاس سے اتر کر وہیں پہنچا ہوا ہے۔

قَالَ أَرَأَيْتَ إِذْ أَوَيْنَا إِلَى الصَّخْرَةِ فَإِنِّي نَسِيتُ

چاہنے والے نے عرض کیا کیا آپ نے دیکھا جب ہم نے پناہ لی پتھر کے پاس تو میں مچھلی

الْحُوتَ ۚ وَمَا أَنْسَيْنِيهِ إِلَّا الشَّيْطَانُ أَنْ أَذْكُرَهُ ۚ

بھول گیا۔ اور اس کی یاد شیطاں نے مجھ سے لے لی۔

وَاتَّخَذَ سَبِيلَهُ فِي الْبَحْرِ عَجَبًا ﴿۶۳﴾ قَالَ ذَلِكَ

اور مچھلی نے اپنا راستہ عجیب سے سمندر میں بنا لیا۔ موسیٰ (علیہ السلام) نے فرمایا کہ یہ وہی

مَا كُنَّا نَبْعُثُ ۖ فَارْتَدَّا عَلَىٰ آثَارِهِمَا قَصَصًا ﴿۶۴﴾

تو ہے جسے ہم بھول کر رہے تھے۔ پھر وہ دونوں اپنے نشانوں پر لوٹے۔

فَوَجَدَا عَبْدًا مِّنْ عِبَادِنَا آتَيْنَاهُ رَحْمَةً

پھر دونوں نے ہمارے بندوں میں سے ایک بندہ کو پایا جسے ہم نے ہمارے لئے

مِّنْ عِنْدِنَا وَعَلَّمْنَاهُ مِنْ لَّدُنَّا عِلْمًا ﴿۶۵﴾ قَالَ لَهُ

اپنا علم دیا اور اسے ہم نے ہمارے لئے علم دیا تھا۔ موسیٰ (علیہ السلام) نے ان سے فرمایا

مُوسَىٰ هَلْ أَتَبِعَكَ عَلَىٰ أَنْ تُعَلِّمَنِ

کھیا مئے آپ کے ساتھ چل سکتا ہوں؟ اس شرط پر کہ آپ مجھے سیکھائیں اور ان علوم میں سے جو آپ کو

مِمَّا عُلِّمْتَ رُشْدًا ﴿۱۶﴾ قَالَ إِنَّكَ لَنْ تَسْتَطِيعَ

دیئے گئے ہیں رُشد (وہی راہ) کے لیے۔ اُنہوں (جبریل) نے کہا یحییٰ بن آدم میرے ساتھ رہ کر اُڑیگا

مَعِيَ صَبْرًا ﴿۱۷﴾ وَكَيْفَ تَصْبِرُ عَلَىٰ مَا لَمْ تُحِطْ

ساتھ صبراً؟ ﴿۱۷﴾ اور آپ کیسے صبر کر سکتے ہیں اس پر جس کی مہم جوئی آپ کو

بِهِ خُبْرًا ﴿۱۸﴾ قَالَ سَتَجِدُنِي إِنْ شَاءَ اللَّهُ صَابِرًا

میں سے خبراً؟ ﴿۱۸﴾ کہا میں اگر اللہ چاہے صابر رہوں گا۔

وَلَا أَعْصِي لَكَ أَمْرًا ﴿۱۹﴾ قَالَ فَإِنِ اتَّبَعْتَنِي

اور میں آپ کی کسی بھی امر میں نہ آؤں گا۔ اُنہوں (جبریل) نے کہا اگر آپ میرے ساتھ چلتے ہیں

فَلَا تَسْأَلْنِي عَنْ شَيْءٍ حَتَّىٰ أُحْدِثَ لَكَ مِنْهُ

تو مجھ سے کسی چیز کے متعلق نہ پوچھیں گے جب تک کہ میں آپ کے سامنے اس کو بیان

ذِكْرًا ﴿۲۰﴾ فَإِنِ انْطَلَقَا ۖ فَتَرَاهُمَا سَاقِلًا

نہ کہیں گے۔ ﴿۲۰﴾ اور ان کے ساتھ چلے گئے۔ تو انہیں دیکھیں گے کہ وہ

خَرَقَهَا ۖ قَالَ أَخْرِقْتُهَا لِيُتَغَرَّقَ أَهْلُهَا ۖ

اس کو کاٹ دیا۔ مومن (مومن) نے فرمایا کیا تم نے کشتی کاٹ دی تاکہ کشتی والوں کو گرق کر دو؟

لَقَدْ جِئْتَ شَيْئًا إِمْرًا ﴿۲۱﴾ قَالَ أَلَمْ أَقُلْ إِنَّكَ

یحییٰ بن آدم نے بڑی بات کی ہے۔ اُنہوں (جبریل) نے کہا کیا میں نے کہا نہیں تھا کہ آپ

لَنْ تَسْتَطِيعَ مَعِيَ صَبْرًا ﴿۲۲﴾ قَالَ لَا تُؤَاخِذْنِي

اُڑیگا میرے ساتھ رہ کر صبر نہ کر سکتے؟ مومن (مومن) نے فرمایا کہ آپ میرا پیچھا نہ

بِمَا نَسِيتُ وَلَا تُرْهِقْنِي مِنْ أَمْرِي عُسْرًا ﴿۲۳﴾

کی چیز سے جسے میں نے بھول دیا اور میرے کام میں دشواری نہ کیجیے۔

فَإِنِ انْطَلَقَا ۖ فَتَرَاهُمَا سَاقِلًا ۖ فَتَقَاتِلُ

اور ان کے ساتھ چلے گئے۔ تو انہیں دیکھیں گے کہ وہ ساقیل (ساقیل) ہیں۔ تو انہیں دیکھیں گے کہ وہ

نَفْسًا زَكِيَّةً ۖ بِغَيْرِ نَفْسٍ ۖ لَقَدْ جِئْتَ شَيْئًا نُكْرًا ﴿۲۴﴾

پاک نفس (پاک نفس) کے بغیر۔ کیا تم نے پاک نفس کے بغیر کشتی کیا؟ یحییٰ بن آدم نے بڑی بات کی۔